सुविचार
यदि तुम सूर्य के खो जाने पर आंसू बहाओगे तो तारों को भी खो बैठोगे।
रवींद्रनाथ टैगोर

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi

Ranchi ● Monday, 26 June 2023 ● Year : 01 ● Issue : 160 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

08
बड़े परदे पर कमबैक करेंगी विद्या

SHARE

संसेक्स	:	62,979.37
निफ्टी	:	18,665.50

SARAFA

सोना	:	5,570
चांदी	:	74.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

आज होगी हेमंत सोरेन कैबिनेट की बैठक

RANCHI : राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक सोमवार को होगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जायेंगे। शाम चार बजे से इस बैठक में करीब तीन दर्जन से अधिक प्रस्तावों पर मंजूरी भी दी जायेगी। कैबिनेट में राज्य पिछड़ा आयोग के गठन की भी स्वीकृति दिए जाने की संभावना है। इस बैठक में ही नगर निकाय चुनाव के कराने के पहले ओबीसी आरक्षण के लिए पूरे राज्य में ट्रिपल टेस्ट करायेगी। सूत्रों के अनुसार राज्य पिछड़ा आयोग को ही इसकी जिम्मेवारी मिलेगी। आयोग पूरे राज्य में सर्वे करके सरकार को रिपोर्ट देगी जिसके आधार पर ही निकाय चुनाव कराये जायेंगे। कैबिनेट में पंचायतों को डिजीटल करने की योजना की भी स्वीकृति मिल सकती है। इसके अलावा पथ निर्माण से जुड़ी योजनाओं की भी मंजूरी दी जायेगी।

धोनी को खून से निमंत्रण पत्र भेजा, कहा- आई लव यू माही, आपको आना है

BHILWARA : विख्यात क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी के प्रति भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा में एक क्रिकेट खिलाड़ी विजेश कुमार में जबरदस्त दीवानगी है। विजेश ने शाहपुरा में क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी के जन्मदिन पर 07 जुलाई से हैप्पी बर्थडे वर्ल्ड कप करवाने की घोषणा की है। इस प्रतियोगिता के पोस्टर का विमोचन रविवार सुबह खान्या का बालाजी मंदिर परिसर में महंत रामदासजी त्यागी महाराज ने किया। धोनी के फैन विजेश ने स्वयं के खून से यहां निमंत्रण पत्र पर आई लव यू माही, आपको आना है, लिखकर क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी को शाहपुरा आने का न्योता भेजा है। पत्र के पीछे विजेश ने खून से और भी प्यारा सन्देश लिखते हुए अपनी दीवानगी जताई है। विजेश ने बताया कि कुल पांच स्थानों पर आयोजित प्रतियोगिता में पांच मुकाबले करवाए जाएंगे। इसमें 12 टीमें भाग लेंगी।

मौसीबाड़ी में भगवान जगन्नाथ के दर्शन को उमड़ी भीड़

RANCHI : रांची के धुर्वा स्थित मौसीबाड़ी में भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलराम के दर्शन-पूजन को रविवार को भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। लोगों ने मेले का भी आनंद उठाया। 29 जून को घुरती रथयात्रा के बाद भगवान जगन्नाथ अपने धाम लौट जाएंगे।

रूस में टला तख्तापलट का खतरा

बेलारूस के राष्ट्रपति ने कराया समझौता, लौटने लगे वैगनर आर्मी के लड़ाके

AGENCY MOSCOW : रूस में गृहयुद्ध और तख्तापलट का खतरा टल गया है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ बगावत करने वाली प्राइवेट आर्मी वैगनर के प्रमुख येवगेनी वी प्रिगोजिन ने अपने लड़ाकों को वापस लौटने का आदेश दिया है। अब यह प्राइवेट आर्मी अपने कैंपों की ओर लौट रही है। प्रिगोजिन भी रूस छोड़कर बेलारूस जाएंगे। एजेंसी के मुताबिक, ये प्राइवेट आर्मी रोस्तोव शहर पर कब्जे के बाद मॉस्को शहर की ओर बढ़ी थी। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, प्राइवेट आर्मी के पीछे हटने में बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको का अहम रोल रहा है। लुकाशेंको ने शनिवार देर रात कहा कि मैंने वैगनर प्रिगोजिन और रूस के बीच समझौता कराया है।

वैगनर के लड़ाकों को मिलिट्री ट्रक में रोस्तोव शहर से ले जाया गया।

इसके बाद वैगनर ग्रुप ने अपने सैनिकों को पीछे हटने को कहा है, ताकि खून खराबा रोका जा सके। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री एस पेसकोव ने बताया कि प्रिगोजिन के खिलाफ चल रहे सभी क्रिमिनल केस बंद कर दिए जाएंगे। ग्रुप के जो लड़ाके हैं, उन पर भी कार्रवाई नहीं होगी। प्रिगोजिन को रूस छोड़कर बेलारूस जाना पड़ेगा। वैगनर के लड़ाके जो विद्रोह में शामिल नहीं हुए थे, वे रूसी रक्षा मंत्रालय के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर करना होगा। एक जुलाई से सभी लड़ाके डिफेंस मिनिस्ट्री के तहत काम करेंगे। रॉयटर्स के मुताबिक, रूस और प्राइवेट आर्मी वैगनर के बीच तल्खी यूक्रेन के बाखमुत में वैगनर ट्रेनिंग कैंप पर मिसाइल अटैक के बाद शुरू हुई।

रौद्र रूप में MONSOON बरपा रहा कहर

हिमाचल प्रदेश में भारी तबाही, कई घर ध्वस्त, मवेशी बहे, मलबे में दबी गाड़ियां

हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश से पानी में डूबी गाड़ियां ● एजेंसी

AGENCY SHIMLA : हिमाचल प्रदेश में मानसून के दस्तक देने के ठीक एक दिन बाद ही इसका रौद्र रूप देखने को मिला है। राज्य के विभिन्न भागों में मानसूनी वर्षा ने जमकर कहर बरपाया है। शनिवार रात हुई मूसलाधार वर्षा से 13 गाड़ियां मलबे में दब गईं। छह घरों को नुकसान पहुंचा, जिनमें चार घर पूर्ण रूप से तबाह हो गए, जबकि दो घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए। इसके अलावा बादल फटने के बाद आई बाढ़ में बहने से 35 बकरियों की मौत हो गई। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की रिपोर्ट के मुताबिक कूल्लु उपमंडल में भारी वर्षा के चलते मोहाल खड्डु में बाढ़ आ गई, जिससे खड्डु के किनारे पार्क की गईं पांच कारें और तीन ट्रैक्टर बह गए। मंडी जिला के उपमंडल सुंदरनगर और जोगेंद्रनगर में भारी वर्षा से एक पशुशाला और एक घर को नुकसान पहुंचा है। सुंदरनगर में कई घरों में पानी घुस गया है। सोलन जिला के अर्की उपमंडल में बादल फटने के बाद आये बाढ़ के सैलाब ने कहर बरपाया और 35 बकरियां बह गईं। चम्बा जिला के भरमौर उपमंडल की होली तहसील में खडामुख में एक कार (एचपी 46-3503) अनियंत्रित होकर एनएचपीसी-2 प्रोजेक्ट के डैम में जा गिरी। कार में सवार सभी लोग लापता हैं। भरमौर पुलिस इनके रेस्क्यू में जुट गई है। रविवार सुबह तक राज्य भर में भूस्खलन से दो नेशनल हाइवे समेत 124 सड़कें अवरुद्ध रहीं। इसके अलावा 151 ट्रांसफार्मर और छह पेयजल स्कीमें भी ठप रहीं। मौसम विभाग के अनुसार मंडी जिला के सरकाघाट में सर्वाधिक 130 मिमी वर्षा हुई है, जबकि मंडी में 92, सिरमौर के धौलाकुआं में 90, नाहन में 76, पच्छाद में 72, मंडी के बाघी में 65 और शिमला के नारकंडा में 64 मिमी वर्षा हुई है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे यानी सोमवार को राज्य के मैदानी व मध्यपर्वतीय इलाकों में भारी से बहुत भारी वर्षा का ओरेंज अलर्ट जारी किया है।

झारखंड समेत 23 राज्यों में अगले चार दिन होगी भारी से बहुत भारी बारिश

● 62 साल बाद नई दिल्ली और महाराष्ट्र में एक साथ पहुंचा मानसून

हरियाणा में भारी बारिश के तेज बहाव में फंसी कार ● एजेंसी

AGENCY NEW DELHI : दिल्ली और महाराष्ट्र में रविवार सुबह मानसून की एंट्री हो गई। मौसम विभाग के मुताबिक, 62 साल बाद दोनों जगह एक साथ मानसून पहुंचा है। इससे पहले 21 जून 1961 को दोनों जगह एक ही दिन मानसून दाखिल हुआ था। अगले दो दिनों में मानसून दिल्ली और मुंबई को पूरी तरह कवर कर लेगा। मुंबई में शनिवार से हो रही बारिश में जेजे फ्लाईओवर पर पानी भर गया। शुक्रवार को शहर के कुछ हिस्सों के लिए यलो और कुछ के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, देश के 23 राज्यों में अगले चार दिन भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान है। इनमें झारखंड, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर, मध्य प्रदेश, कोंकण और गोवा, छत्तीसगढ़, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, पूर्वी राजस्थान, गुजरात, मध्य महाराष्ट्र, विदर्भ, तटीय कर्नाटक और केरल शामिल हैं।

शनिवार को 6 राज्यों में दाखिल हुआ मानसून

मानसून भले ही देश में 7 दिन की देरी से दाखिल हुआ, लेकिन शनिवार को एक दिन में यह छह राज्यों- मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख में पहुंच गया। कई राज्यों में मानसून तय समय पर पहुंचा है। पूरे उत्तराखंड व हिमाचल में भी एक ही दिन में मानसून छा गया। पश्चिमी घाट पर महाराष्ट्र के रत्नागिरी के पास 12 दिन से अटका मानसून आगे नागपुर तक पहुंच गया। अगले 24 से 48 घंटे में मानसून महाराष्ट्र में मुंबई तक, मप्र, उत्तर प्रदेश व हरियाणा में और आगे बढ़ेगा। दिल्ली, चंडीगढ़, पंजाब, पूर्वी राजस्थान, गुजरात के कई हिस्सों में भी मानसून फैल जाएगा।

पति की खरीदी संपत्ति में पत्नी भी बराबर की हकदार : हाईकोर्ट

CHENNAI : एक महत्वपूर्ण फैसले में मद्रास हाईकोर्ट ने हाल ही में कहा कि एक पत्नी, उस संपत्ति में बराबर की हकदार हे, जिसे उसके पति ने अपने नाम पर खरीदा है। ऐसा इसलिए क्योंकि उसने घरेलू कामकाज करके पारिवारिक संपत्ति के बनाने और खरीदने में अप्रत्यक्ष रूप से योगदान दिया है। जस्टिस कृष्णन रामासामी ने कहा कि हालांकि वर्तमान में ऐसा कोई कानून नहीं है जो पत्नी के योगदान को मान्यता देता हो, कोर्ट ही इसे अच्छी तरह मान्यता दे सकता है। कानून भी किसी जज को पत्नी के योगदान को मान्यता देने से नहीं रोकता है। कन्नियन नायडू नाम के शख्स ने एडिशनल डिस्ट्रिक्ट और सेशन कोर्ट में याचिका लगाई थी। जिसमें उसने कहा था कि उसकी पत्नी वो संपत्ति हड़पना चाहती है, जिसे खरीदने के लिए लिए उसने पत्नी को पैसे भेजे थे। कन्नियन ने कोर्ट से कहा था कि विदेश में रहते हुए वह अपने नाम पर संपत्ति नहीं खरीद सकता था, इसलिए उसने पत्नी के नाम पर खरीदा। इस मामले में कन्नियन की पत्नी कंसाला ने कहा कि वह सभी संपत्तियों में बराबर की हकदार है, क्योंकि उसने पति के विदेश में रहने के दौरान परिवार की देखभाल की।

पश्चिम बंगाल में दो मालगाड़ियों के बीच टक्कर

बांकुड़ा के पास हादसे में 12 डिब्बे ताश के पत्तों की तरह बिखरे

AGENCY KOLKATA : पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिले में रविवार सुबह दो मालगाड़ियों की टक्कर में 12 डिब्बे पटरी से उतर गए। टक्कर की जोरदार आवाज से ओंडा रेलवे स्टेशन के आसपास के लोगों की नींद खुल गई और वो मौके पर पहुंचे। लोगों ने ही मालगाड़ी के लोको पायलटों को सुरक्षित बाहर निकाला। 2 जून को ओडिशा के बालासोर में तीन ट्रेनों की हुई टक्कर के बाद 23 दिनों में यह दूसरा रेल हादसा है।

दो मालगाड़ियों के बीच टक्कर के बाद बिखरे पड़े डिब्बे ● एजेंसी

मालगाड़ी ने दूसरी ट्रेन को पीछे से मारी टक्कर

मौके पर पहुंचे दक्षिण पूर्व रेलवे के डिविजनल सेफ्टी ऑफिसर दिवाकर माझी ने पत्रकारों को बताया- ओंडा रेलवे स्टेशन पर एक मालगाड़ी पहले से खड़ी थी। पीछे से आने वाली दूसरी मालगाड़ी ने उसमें टक्कर मार दी। आखिर यह हादसा कैसे हुआ, यह तो जांच के बाद ही पता चल सकेगा। शायद सिग्नल की गड़बड़ी रही होगी।

3 घंटे तक ट्रेनों की आवाजाही बंद

रेलवे सूत्रों ने बताया कि एक लोको पायलट को हल्की चोट आई है। हादसे के कारण बिजली का ओवरहेड तार टूट जाने की वजह से आद्रा-खड़गपुर सेक्शन में ट्रेनों की आवाजाही करीब 3 घंटे तक प्रभावित रही।

मणिपुरः महिलाओं ने 12 खूंखार आतंकियों को छुड़ाया

IMPHAL : मणिपुर में कई दिनों से हिंसा जारी है। इसमें 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इसी कड़ी में सुरक्षाबलों ने असम के इथम गांव में केवाईकेल के करीब 12 आतंकियों को हिरासत में ले लिया था, लेकिन इसी दौरान इनकी गिरफ्तारी के विरोध में महिलाओं ने मोर्चा खोल दिया और भीड़ जमा होने के कारण हिरासत में लिए आतंकियों को मजबूरन छोड़ना पड़ा। सुरक्षा बलों ने 24 जून को ऑपरेशन के दौरान जवानों ने हथियारों, गोला-बारूद के साथ 12 केवाईकेएल कैडर को हिरासत में लिया था। इसी दौरान लेफ्टिनेंट कर्नल मोइरांगथेम तांबा उर्फ उत्तम को भी हिरासत में लिया गया था।

राज्यपाल ने रचा इतिहास प्रचंड गर्मी में 23 जिलों में जाकर जाना लोगों का हाल

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड गठन के बाद पहली बार झारखंड को ऐसे राज्यपाल मिले जो भीषण गर्मी में झारखंड के गांव-गांव तक का दौरा किया। रविवार को धनबाद जिले के साथ 23 जिलों का भ्रमण और ग्रामीणों के साथ सीधा संवाद कार्यक्रम संपन्न हो गया। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन जिस प्रकार से गांव-गांव का भ्रमण करके ग्रामीणों के साथ संवाद कर रहे हैं, वह पूरे राज्य में चर्चा का विषय बना हुआ है। राज्यपाल ने इस दौरान केंद्रीय योजनाओं का हाल जाना, तथा उसका प्रचार-प्रसार भी किया। रविवार को राज्यपाल राधाकृष्णन धनबाद के टुंडी प्रखंड के कमारडीह पंचायत में ग्रामीणों के साथ संवाद किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का लक्ष्य है कि देश के प्रत्येक नागरिक के पास अपना घर हो एवं देश का बच्चा-बच्चा शिक्षित हो। सरकार द्वारा पूर्व में कई आवासीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय इत्यादि खोले गए हैं। प्रधानमंत्री प्रतिबद्ध हैं कि समाज के वंचित वर्ग के लोगो के बच्चों को भी अच्छी से अच्छी शिक्षा मिले और इसके लिए देशभर में काफी संख्या में एकलव्य विद्यालय खोले जा रहे हैं। सबसे अधिक यह विद्यालय झारखंड में खुल रहा है।

हर घर, नल-जल योजना में धन की कमी नहीं

राज्यपाल ने कहा कि अब उनके घरों में नल-जल योजना के तहत पेय जलापूर्ति भी की जा रही है। धनबाद जिले के 40 प्रतिशत घरों को इस योजना के तहत आच्छादित किया जा चुका है। शेष के लिए भी निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस योजना के लिए धन की कोई कमी नहीं होगी। यदि बजट कम होता है तो इसके लिए वो केंद्र सरकार से बात करेंगे एवं बजट की कमी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा खादी सिल्क को बढ़ावा दिया गया। अभी-अभी झारखंड के तसर सिल्क से बने शॉल को उनके द्वारा अमेरिका के राष्ट्रपति को भेंट किया गया। निश्चित रूप से तसर सिल्क का प्रचार-प्रसार पूरे विश्व में होगा। भारत की अर्थव्यवस्था अब पूरे विश्व की सबसे बड़ी 5वीं अर्थव्यवस्था बन चुकी है।

भारत व मिस्र के संबंधों में आई और मजबूती, हुए कई समझौते, पीएम ने अल-हकीम मस्जिद का किया दौरा

MODI को मिला मिस्र का सर्वोच्च राजकीय सम्मान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सम्मानित करते मिस्र के राष्ट्रपति ● एजेंसी

AGENCY CAIRO : अमेरिका के चार और मिस्र के दो दिन के दौरे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नई दिल्ली रवाना हो गए हैं। रविवार को मिस्र दौरे के आखिरी दिन मोदी ने इजिप्ट के प्रेसिडेंट अब्देल फतह अल-सीसी से मुलाकात की। सीसी ने उन्हें मिस्र के सर्वोच्च राजकीय सम्मान ऑर्डर ऑफ नाइल से सम्मानित किया। इसके पहले मोदी ने 11वीं सदी की अल-हाकिम मस्जिद का दौरा किया। इसे भारत के बोहरा समुदाय की सहायता से दोबारा बनाया गया है। प्रधानमंत्री हेलियोपोलिस स्मारक भी गए। यहां उन्होंने पहले विश्व युद्ध में शहीद हुए भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। यह स्मारक राष्ट्रमंडल ने बनवाया है। यह उन 3,799 भारतीय सैनिकों को समर्पित है, जिन्होंने इजिप्ट में प्रथम विश्व युद्ध में अपनी जान गंवा दी थी। मोदी इजिप्ट के प्रधानमंत्री के साथ पिरामिड देखने भी गए। ये पिरामिड दुनिया के सात अजूबों में शामिल हैं। करीब आधे घंटे तक मोदी ने इन पिरामिड्स के बारे में जानकारी ली। मोदी और सीसी ने कुछ एमओयू भी साइन किए।

मिस्र में हेलियोपोलिस युद्ध स्मारक में शहीदों को दी श्रद्धांजलि

मिस्र की अपनी पहली राजकीय यात्रा पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को काहिरा के अल-हकीम मस्जिद का दौरा किया। जो दाऊदी बोहरा समुदाय की मदद से बहाल की गई 11वीं सदी का मस्जिद है। मस्जिद का निर्माण फातिमिद वंश के शासन के दौरान किया गया था। भारत में बोहरा समुदाय वास्तव में फातिमिद वंश से उत्पन्न हुआ था और उन्होंने 1970 के दशक से मस्जिद का नवीकरण कराया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मिस्र दौरे के दूसरे दिन अल-हकीम मस्जिद पहुंचे, उसके वहां से हेलियोपोलिस कॉमनवेल्थ वॉर ग्रेव सीमेट्री का दौरा किया। जो एक पवित्र स्थल है और प्रथम विश्व युद्ध के दौरान मिस्र तथा फलस्तीन में सेवा करने वाले एवं शहीद हुए भारतीय सेना के लगभग 3,799 सैनिकों की याद में बनाया गया स्मारक है। नरेंद्र मोदी मिस्र के राष्ट्रपति अल-सिसी के निमंत्रण पर मिस्र का दौरा कर रहे हैं। पिछले 26 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की मिस्र की यह पहली यात्रा है। इस वर्ष गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रपति अल-सिसी भारत यात्रा पर आए थे। उनके दौरे के छह महीने के भीतर प्रधानमंत्री की मिस्र की यात्रा हो रही है। अल-सिसी का सितंबर में जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए भारत की यात्रा करने का कार्यक्रम है जहां मिस्र को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिस्र के मुफ्ती-ए-आजम डॉ शॉकी इब्राहिम अब्देल-करीम अल्लाम से सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देने और अतिवाद एवं कट्टरता के मुकाबले से संबंधित मुद्दों समेत भारत-मिस्र संबंधों पर चर्चा की। मिस्र की अपनी पहली राजकीय यात्रा पर पहुंचे प्रधानमंत्री ने अल्लाम को अवगत कराया कि भारत मिस्र के सामाजिक न्याय मंत्रालय के अंतर्गत इस्लामिक विधिक अनुसंधान के लिए मिस्र की परामर्श संस्था दार-अल-इफ्तार में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) में उत्कृष्टता केंद्र (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) की स्थापना करेगा।

देश में लगा आपातकाल CONGRESS की दमनकारी नीति को इंगित करता है

PHOTON NEWS RAMGARH : रविवार को मारवाड़ी धर्मशाला में भारतीय जनता पार्टी का देशव्यापी अभियान महा जनसंपर्क अभियान के तहत आज रामगढ़ जिले में भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण मेहता की अध्यक्षता में मारवाड़ी धर्मशाला में प्रबुद्ध सम्मेलन कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जयंत सिन्हा, मंच संचालन महामंत्री प्रो. खिरोधर साहू एवं धन्यवाद ज्ञापन छोटन सिंह ने किया।

महापुरुषों की तस्वीरों पर माल्यार्पण के पश्चात मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित हजारीबाग लोकसभा सांसद माननीय जयंत

मारवाड़ी धर्मशाला में आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन में बोलते जयंत सिन्हा व उपस्थित अन्य। ● द फोटोन न्यूज

सिन्हा ने कहा की देश में लगा आपातकाल न सिर्फ कांग्रेस की दमनकारी नीति को इंगित करता है बल्कि इनकी देशविरोधी और भ्रष्ट मानसिकता के कारण हीं देश में आजादी के बाद उन्होंने न तो कभी आम नागरिकों के हितों की चिंता की और न हीं देश की सीमाओं को अपने निजी स्वार्थ के कारण कभी मजबूत किया।

आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जहां भाजपा ने देश के अंतिम पायदान के गरीब परिवारों के हितों की रक्षा हेतु न सिर्फ योजनाएं बनाई बल्कि उसका लाभ उन तक पहुंचे उसकी भी चिंता की थी जिसका प्रमाण करोना काल में देश के अस्सी लाख परिवारों को दो साल तक मुफ्त राशन देने से लेकर आम जरूरतों के लिए हजारों रुपए भी जनधन खाते के माध्यम से लाभुकों तक पहुंचाया जिसको पहले कांग्रेस की सरकारों में मिलना एक सपना समझा जाता था। हमारी सरकार के मजबूत नेतृत्व में जहां देश की सीमाएं सुरक्षित हुई है वहीं देश के अंदर विकास कार्यों को नया मुकाम मिला है।

वहीं दूसरी ओर उसी भ्रष्टाचारी मानसिकता वाली राजनीतिक पार्टियों के साथ गठबंधन बनाकर ये देश को लूटने में लगे हैं जिसका ताजा उदाहरण झारखंड राज्य है जहां के मुख्यमंत्री पर तो भ्रष्टाचार के लिए ईडी और सीबीआई की जांच तो चल हीं रही है साथ हीं इनके निजी सचिव से लेकर राज्य के वरिष्ट आईएएस अधिकारी भी जेल में बंद है।

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व बीससूत्री उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद,प्रसिद्ध व्यवसाई तिलकराज मंगलम,प्रदेश कार्यसमिति सदस्यगण रणंजय कुमार उर्फ कुंटू बाबू,रंजीत सिन्हा,कैंट मंडल अध्यक्ष शिव कुमार महतो,जिला मीडिया सह प्रभारी भीमसेन, आईटी सेल प्रभारी धीरज साहू,मणिशंकर ठाकुर,ओबीसी मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य दीपक सोनकर उर्फ मुन्ना खटीक इत्यादि लोग उपस्थित हुए।

BRIEF NEWS

नरेन्द्र मोदी की सरकार के नौ वर्ष शानदार, जानदार और उत्कृष्ट रहे हैं : नीलकंठ सिंह मुंडा

KHUNTI : भाजपा के जिला कार्यालय में रविवार को खूंटी विधानसभा क्षेत्र के प्रबुद्ध सम्मेलन कार्यक्रम आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता कार्यक्रम प्रभारी ज्योतिष भगत ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर खूंटी के विधायक और राज्य के पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री नीलकंठ सिंह मुंडा उपस्थित थे। विधायक ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार के नौ वर्षों का कार्यकाल शानदार, जानदार और उत्कृष्ट रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का शासनकाल सेवा, सुशासन और उन्नति का शासन काल रहा है। समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे, इस दिशा में मोदी सरकार कार्य कर रही है। विधायक ने प्रबुद्ध जनों का अभिनंदन करते हुए कहा कि आप सभी लोगों ने भारतीय जनता पार्टी को स्थापित करने का कार्य किया है और आनेवाले समय में पुनः केंद्र में भाजपा की सरकार बने, इस दिशा में हम सभी को एकजुट होकर कार्य करना है। विधायक प्रतिनिधि और भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष काशीनाथ महतो ने कहा कि मोदी सरकार ने नौ वर्ष में सेवा और सुशासन का कार्य किया और समाज के अंतिम पायदान तक के व्यक्ति को लाभ प्राप्त हो, इस दिशा में काम किया है। प्रबुद्ध सम्मेलन कार्यक्रम के प्रभारी ज्योतिष भगत ने कहा कि आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है ,उसमें हमारे वरिष्ठ जनों का बहुत बड़ा योगदान है। जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर गुप्ता ने भी मोदी सरकार की उपलब्धियों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन विनोद नाग ने किया।

सुदर्शन भगत ने आपातकाल में जेल गए लोगों के परिजनों को किया सम्मानित

LOHARDAGA : भारतीय जनता पाटी ने आपातकाल को लेकर संगोष्ठी का आयोजन किया। मुख्य अतिथि सुदर्शन भगत ने आपातकाल में दौरान जेल गये उमेश कांस्यकार सहित अन्य लोगों के परिजनों को प्रमाण पत्र, तुलसी पौधा तथा अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। साथ ही प्रबुद्धजनों को भी अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। सुदर्शन भगत ने कहा कि 25 जून 1975 को लगाया गया आपातकाल कांग्रेस की केंद्र सरकार तथा तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का एक कुत्सित कार्य था, जिसको भारतीय जनता कभी माफ नहीं करेगी। आपातकाल लागू करने का आदेश पत्र एक काला अध्याय था, जिसे कभी भी भुला नहीं जा सकता है। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र की जमकर तारीफ की।

पलामू प्रमंडल के कई युवा नेताओं ने आजसू पार्टी का दामन थामा

RANCHI : रांची, 25 जून (हि. स.)। आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो के कांके रोड स्थित आवास पर रविवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के पूर्व जिलाध्यक्ष अभिरंजन तिवारी और पूर्व सचिव अंकित सिंह के नेतृत्व में पलामू प्रमंडल के कई युवा नेताओं ने आजसू पार्टी का दामन थामा। इस अवसर पर पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने कहा कि पढ़े-लिखे युवाओं के आगे आने और राजनीति में सक्रिय होने से ही सामाजिक लड़ाई को गति दिया जा सकता है। जल्द ही पलामू प्रमंडल में प्रमंडल स्तरीय जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। आज के इस मिलन समारोह में मुख्य रूप से बड़कागांव विधानसभा के प्रभारी और पार्टी के केंद्रीय महासचिव रोशन लाल चौधरी एवं मुख्य केंद्रीय प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत उपस्थित थे। पार्टी में शामिल होने वाले अभिरंजन तिवारी ने कहा कि आजसू पार्टी के नीति, सिद्धांत और केंद्रीय अध्यक्ष के कुशल नेतृत्व के कारण आज हम आजसू पार्टी में शामिल हो रहे हैं। वर्तमान हेमंत सरकार ने युवाओं को ठगा है। युवाओं का भविष्य अंधकार में डाल दिया है। इस सरकार में युवाओं का वर्तमान और भविष्य दोनों बर्बाद हो रहा है। इसीलिए हम लोगों ने झारखंड मुक्ति मोर्चा छोड़ कर आजसू पार्टी का दामन थामा है। पार्टी में शामिल होने वालों में राजद से प्रहलाद गुप्ता, अरविंद यादव, झामुमो से मनीष सिंह, मनु सिंह, अभिषेक जोहरी, पृथ्वीराज सिंह, कुंदन सोनी, संजय कुमार, सचिन पाण्डेय, प्रशांत कुमार और अंकित सिंह मुख्य थे।

जमशेदपुर : इमरजेंसी के विरोध में भाजपा महानगर ने मनाया काला दिवस

JAMSHEDPUR : 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की ओर से लागू आपातकाल के विरोध में भाजपा महानगर ने रविवार को काला दिवस मनाया. बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन के प्रयाग कक्ष में महानगर अध्यक्ष गुंजन यादव की अध्यक्षता में आपातकाल को भारतीय इतिहास का सबसे काला अध्याय बताते हुए लोकनायक जयप्रकाश नारायण को स्मरण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया. कार्यक्रम में जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो समेत शहर के प्रबुद्धजन मुख्यरूप से सम्मिलित थे. इस दौरान इमरजेंसी पर बनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म दिखाई गई. इस अवसर पर सांसद विद्युत वरण महतो ने कहा कि देशवासी आजादी के बाद जितने हर्षित थे. उतने सन 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपातकाल के बाद काफी मायुस हुए. कांग्रेस ने देश में संविधान को नष्ट करने का पाप किया है. लोकतंत्र के काले अध्याय को याद करते हए पार्टी ने आज काला दिवस मनाया। सांसद ने कहा कि आज के युवाओं को याद रखना चाहिए कि कांग्रेस देश के लिए कितनी खतरनाक है. उन्होंने आपातकाल में भारतीय जनसंघ और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकताओं के योगदान को अविस्मरणीय बताया. कहा कि उन दिनों आंदोलन में सबसे ज्यादा जेल जाने और यातनाएं सहने वाले जनसंघ के कार्यकर्ता और स्वयंसेवक थे. भारतीय लोकतंत्र में 25 जून 1975 का वह काला दिन कांग्रेस की निरंकुशता के लिए सदैव याद किया जाता रहेगा।

धनबाद एवं बोकारो जिले से सैकड़ों महिलाओं ने नेशनल पीपुल्स पार्टी की सदस्यता ग्रहण की

PHOTON NEWS BOKARO : धनबाद एवं बोकारो जिले के 50 पंचायत से सैकड़ों महिलाओं का जुटान हुआ जिन्होंने नेशनल पीपुल्स पार्टी के विचारधारा से प्रभावित होकर सदस्यता ग्रहण की। महिलाओं ने कहा महिलाओं को नेतृत्व की भागीदारी में नेशनल पीपुल्स पार्टी की भूमिका प्रमुख रूप से रहेगी। महिला सशक्तिकरण के नाम पर राजनीतिक दल सिर्फ भीड़ दिखाते हैं, लेकिन महिला सशक्तिकरण के रूप में नेशनल पीपुल्स पार्टी प्रमुख रूप से धनबाद एवं बोकारो जिले में कार्य कर रही है। जल्द ही जिला सम्मेलन की घोषणा की जाएगी।

नेशनल पीपुल्स पार्टी की सदस्यता लेने के बाद महिलाएं। ● द फोटोन न्यूज

डोर टू डोर कैंपेन करके जन मुद्दों को लेकर कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी गण प्रमुख रूप से कार्य करेंगे। वर्तमान में पेयजल की व्यवस्था प्रमुख मुद्दा है। इसे लेकर प्रखंड के पेयजल पदाधिकारी से मिलकर ज्ञापन सौंपेंगे। प्रदेश उपाध्यक्ष मानिक चंद्र महतो ने कहा प्रदेश में महिलाओं की राजनीति में भूमिका नगण्य है।

ऐसे समय में नेशनल पीपुल्स पार्टी में जुड़ाव कहीं ना कहीं राजनीतिक समीकरण में बदलाव रखेगा। धनबाद, गिरिडीह में जल्द ही महिला सम्मेलन की घोषणा की जाएगी। नेशनल पीपुल्स पार्टी महिला सशक्तिकरण के नेतृत्व के रूप में कार्य करेगी।

बैठक में शामिल महिलाओं को प्रदेश कार्यसमिति के प्रदेश अध्यक्ष राज कुमार पोद्दार प्रदेश, महासचिव अमर महतो प्रदेश, सचिव अनथन लकड़ा, सुरेन कालिंदी, जोसेप लकड़ा प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सिंह, प्रदेश प्रवक्ता सुमन बाड़ा, गेब्रियल खाखा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य आरती देवी, विशाल चंद्रा, मीर यूनुस ने शुभकामना दिया।

स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने अपने विस क्षेत्र में चलाया जनसंपर्क अभियान

PHOTON NEWS JAMSZHEDPUR: स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने रविवार को कदमा समेत अन्य क्षेत्रों में जन संपर्क अभियान चलाया. इस दौरान उन्होंने अपनी अनुशंसित योजनाओं की प्रगति देखी. जन संपर्क अभियान के दौरान स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य मंत्री स्वागत एवं अभिनंदन किया. मंत्री ने जिन क्षेत्रों का निरीक्षण किया. उनमें निमतला पथ, मधुसूदन पथ, कदमा उलीयान काली हरि मंदिर पथ, अनिल सुर पथ, कदमा मेन रोड, भाटिया बस्ती मेन रोड शामिल हैं. इस दौरान भोला चालक, भोला नाथ गोस्वामी, बबुआ झा, संजय तिवारी, प्रभात ठाकुर, कृष्णा शर्मा, राज कुमार दास, सोंटी रजक, मुराऊ जायसवाल, संजीव झा, मनोज झा, कैलाश रजक, जेपी

बन्ना गुप्ता की फाईल फोटो।

साहू समेत कई लोग मौजूद थे.

क्षेत्र भ्रमण एवं योजनाओं की निरीक्षण के बाद अतिरिक्त मंत्री ने रामनगर चौक में तैयार हो चुके चिल्ड्रेन पार्क का उद्घाटन कर आम जनता को पार्क समर्पित किया. मंत्री ने इस पार्क को क्षेत्र की जनता के लिए लाभकारी बताया. इस अवसर पर एयर बेस कॉलोनी और रामनगर के सैकड़ों लोगों ने मंत्री का भव्य अभिनंदन किया।

भाजपा ने चलाया जनसंपर्क अभियान पीएम मोदी के कार्यों की दी जानकारी

पीएम ने 9 वर्षों के कार्यकाल में किए कई विकास कार्य : अमरेश सिंह

PHOTON NEWS RAMGARH : भाजपा भुरकुंडा मंडल के तत्वावधान में रविवार को सेवा-सुशासन और गरीब कल्याण के 9 साल पूरा होने पर महाजनसंपर्क अभियान कार्यक्रम के तहत पटेलनगर पंचायत वासियों से घर-घर जाकर जनसंपर्क किया गया। इस दौरान मोदी सरकार द्वारा किए गए जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पंचायतवासियों को दी गई। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा किये गए उत्कृष्ट कार्यों से लोगों को अवगत कराया गया।

मौके पर मंडल उपाध्यक्ष अमरेश सिंह ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 वर्ष के कार्यकाल में अनेको विकास के

जनसंपर्क अभियान में शामिल भाजपाई। ● द फोटोन न्यूज

कार्य हुए। उन्होंने महा जनसंपर्क अभियान के माध्यम से अपने-अपने बूथ पर निवास करने वाले सभी भाजपाईयों से पीएम नरेंद्र मोदी के 9 वर्षों के विकास कार्यों को एक-एक घर जाकर आम जनता तक पहुंचाने का आहवान किया।

महाजनसंपर्क अभियान में मंडल उपाध्यक्ष अमरेश सिंह, युवा मोर्चा अध्यक्ष शिवकुमार सिंह, किसान मोर्चा के महामंत्री जर्नादन सिंह, बूथ अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह शामिल थे। मौके पर प्रदीप शर्मा, संजय भारती, विनोद गिरी, सुखदेव प्रजापति उर्फ देवा, रविन्द्र गोस्वामी, मनोज कुमार गुप्ता आदि मौजूद थे।

कांग्रेस के लिए देश की जनता नहीं, सत्ता सर्वोपरि : दीपक प्रकाश

PHOTON NEWS SARAIKELA : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद दीपक प्रकाश ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के लिए प्रारंभ से ही सत्ता सर्वोपरि है। देश की सेवा से उसका कुछ भी लेना देना नहीं। वे रविवार को सरायकेला स्थित मारवाड़ी धर्मशाला में पार्टी के प्रबुद्धजन सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में कांग्रेस को विश्वास नहीं । ये कांग्रेस पार्टी तानाशाही पार्टी है, जिसने सत्ता के लिए देश का विभाजन स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि ये वही कांग्रेस पार्टी है, जिसने आपातकाल लगाकर नागरिक के अधिकार छीन लिए, प्रेस की आजादी छीन ली, लाखों लोग गिरफ्तार कर लिए गए, जिसमें सभी वर्ग के लोग शामिल थे।

उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस

दीपक प्रकाश की फाईल फोटो।

पार्टी लोकतंत्र के रक्षा की दुहाई देती है लेकिन कांग्रेस भारत के संविधान से नही अपने संविधान से देश चलाना चाहती है। इसमें भ्रष्टाचार का पोषण, संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग, जात पात और तुष्टिकरण जैसे आयाम शामिल है। कांग्रेस पार्टी ने अपने एजेंडे को लागू करने के लिए अनेक बार संविधान का संशोधन किया। राष्ट्रपति शासन का दुरुपयोग किया, कैबिनेट के फैसले का अपमान किया फिर कांग्रेस लोकतंत्र की बात करती है।

उन्होंने कहा देश की जनता का मिजाज अब पूरी तरह कांग्रेस मुक्त भारत का है। इसलिए कांग्रेस अब क्षेत्रीय दलों से प्राणवायु मांगते फिर रही। उन्होंने कहा कि जनता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ हो रहे षड्यंत्र को कभी सफल नहीं होने देगी।

कांग्रेस की मानसिकता नहीं बदली: पीयूष गोयल

AGENCY JAIPUR : भारतीय जनता पार्टी द्वारा जयपुर शहर के मानसरोवर स्थित एक विद्यालय में प्रबुद्ध जन सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल रहे।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि आपातकाल में बिना कोई कानूनी प्रक्रिया एवं कारण के आरएसएस स्वयंसेवकों को बिना वजह जेल में कई महीनों तक बंद कर दिया गया था। संपूर्ण देश की जनता में आत्मविश्वास खत्म सा होता दिख रहा था। आपातकाल का दिन वो काला अध्याय था जो कभी नहीं मिटने वाला है। आजाद भारत के इतिहास का वह दिन था, जिस दिन भारत के लोकतंत्र की हत्या की गई थी।

गोयल ने कहा कि आपातकाल देश में एक ऐसा दौर था कि मानो देश को वापस किसी ने जकड़ लिया हो। वापस किसी के अधीन हो गया हो। जब इमरजेंसी लागू की गई, उससे कुछ वर्षों पहले ही देश आजाद हुआ था। उस समय में रहे लोगों को निश्चित ही लगने लगा था कि देश वापस अधीन हो गया है। गोयल ने कहा, इसकी पूर्ण रूप से जिम्मेदार कांग्रेस सरकार रही है। देश के एक लाख चालीस हजार से अधिक कार्यकताओं और राजनीति से जुड़े व्यक्तियों को बिना वजह जेलों में डाल दिया कर यातनाएं दी गई। यह वह दिन थे, जिन्हें हमें कभी भूलना नहीं चाहिए। कहा गया कि जो इतिहास से सबक नहीं सीख सकते, वह कभी सफल नहीं हो सकते।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि जिस कांग्रेस ने देश के स्वतंत्रता संग्राम में सहयोग दिया, वही कांग्रेस आगे चलकर देश की जनता को प्रताड़ित करेगी, ऐसा कभी भारतवर्ष के लोगों ने सोचा भी नहीं था।

राजनाथ सिंह आज जम्मू-कश्मीर का दौरा करेंगे

AGENCY JAMMU : केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 26 जून, सोमवार को जम्मू-कश्मीर का दौरा करेंगे। इस दौरान राजनाथ सिंह जनरल जोरावर सिंह सभागार (जम्मू विश्वविद्यालय) में रक्षा सम्मेलन में शामिल होंगे। रक्षा मंत्री जनरल जोरावर सिंह सभागार में होने वाले सुरक्षा सम्मेलन में सोमवार की सुबह 11 बजे शामिल होंगे। सम्मेलन में वरिष्ठ लोगों के साथ सेवानिवृत्त सुरक्षा अधिकारी सहित अन्य वर्ग के लोग शामिल होंगे। इसमें सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

इसके अलावा रक्षा मंत्री त्रिकुटा नगर स्थित प्रदेश भाजपा मुख्यालय में पार्टी नेताओं से मुलाकात करेंगे। पार्टी मुख्यालय में प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र रैना सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ रक्षा मंत्री विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करेंगे। रक्षा मंत्री के दौरे को देखते हुए जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं और जगह-जगह सुरक्षाबलों की तैनाती गई है।

प्रधानमंत्री ने आपातकाल लागू होने की बरसी पर ट्वीट कर विरोध करने वालों को दी श्रद्धांजली

संवैधानिक मूल्यों के विपरीत था आपातकाल: प्रधानमंत्री

AGENCY NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि लोकतंत्र के काले दिन उन मूल्यों के बिल्कुल विपरीत थे जिनका जश्न हमारा संविधान मनाता है। प्रधानमंत्री ने आपातकाल लागू होने की बरसी पर आज ट्वीट किया- मैं उन सभी साहसी लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं जिन्होंने आपातकाल का विरोध किया और हमारी लोकतांत्रिक भावना को मजबूत करने के लिए काम किया। आपातकाल के काले

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की फाईल फोटो।

दिन हमारे इतिहास में एक अविस्मरणीय अवधि है, जो हमारे संविधान द्वारा मनाए गए मूल्यों के बिल्कुल विपरीत है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में आपातकाल के दौरान राजनीतिक बंदियों को दी गई यातनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि आजादी के अमृतकाल में हमें लोकतंत्र के खिलाफ हुए इस अपराधों को याद रखना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात के 102वें एपिसोड में कहा था कि भारत लोकतंत्र की जननी है। हम अपने लोकतांत्रिक आदर्शों और संविधान को सर्वोपरि मानते हैं। ऐसे में हम 25 जून को कभी नहीं भुला सकते। यह वही दिन है जब हमारे देश पर आपातकाल थोपा गया था। यह भारत के इतिहास का काला दौर था। लाखों लोगों ने आपातकाल का पूरी ताकत से विरोध किया था। लोकतंत्र के समर्थकों पर उस दौरान अत्याचार किया गया था। इतनी यातनाएं दी गईं कि आज भी मन सिहर उठता है।

उन्होंने कहा था कि इन अत्याचारों पर कई पुस्तकें लिखी गई हैं। स्वयं उन्हें भी पुस्तक लिखने का मौका मिला। कुछ दिनों पहले उन्होंने ऐसी एक पुस्तक देखी ह्यटॉर्चर ऑफ पॉलीटिकल प्रिजनर्स इन इंडियाह्न। पुस्तक में वर्णन किया गया है कि इमरजेंसी के दौरान कैसे उस समय की सरकार लोकतंत्र के रखवालों पर क्रूरता से व्यवहार कर रही थी। इसके बारे में जानकार आज की युवा पीढ़ी को लोकतंत्र के मायने और उसकी अहमियत समझने में और ज्यादा आसानी होगी।

BRIEF NEWS

स्टेट ओलंपियाड में एक लाख से अधिक छात्रों ने कराया रजिस्ट्रेशन

RANCHI : झारखंड में जेसीईआरटी द्वारा आयोजित होनेवाली दूसरी झारखंड स्टेट ओलंपियाड में 1.12 लाख विद्यार्थी शामिल होंगे। तीन कक्षाओं सातवीं, आठवीं और नौवीं के लिए होनेवाली इस प्रतियोगिता के लिए एक लाख से अधिक विद्यार्थियों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया है। झारखंड स्टेट ओलंपियाड के लिए जेसीईआरटी अपनी तैयारियों में जुटी हुई है। यह प्रतियोगिता अगस्त में आयोजित होने की संभावना है। इस बार भी स्टेट ओलंपियाड पांच विषयों गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, अंग्रेजी तथा सामान्य ज्ञान में आयोजित होगी। विद्यार्थी इनमें से एक या एक से अधिक या फिर सभी विषयों में भाग ले सकते हैं। यह परीक्षा दो चरणों में होगी। पहले चरण में जिला स्तर पर परीक्षा आयोजित की जाएगी, जिसमें हर जिले से 15 विद्यार्थियों (प्रत्येक कक्षा व विषय में एक-एक) का चयन राज्य स्तरीय परीक्षा के लिए किया जाएगा। इसी तरह, राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रत्येक कक्षा और विषय में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करनेवाले विद्यार्थियों का चयन पुरस्कार के लिए किया जाएगा। पिछले साल राज्य के टॉपर्स को लैपटॉप दिए गए थे। इस बार भी टॉपर्स को लैपटॉप दिए जाएंगे।

रांची में सिर्फ 48% लाभुक कर रहे राशन का उठाव

RANCHI : झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना के तहत हर माह आच्छादित परिवारों के लिए प्रति सदस्य 5 किलो की दर से सीलबंद पैकेट में चावल की आपूर्ति की जा रही है। इस योजना के तहत नवंबर 2022 से अप्रैल 2023 (पांच माह) तक 6,18,662 लोगों के बीच 30,933.100 टन चावल का वितरण किया जाना है। लेकिन अभी तक रांची में सिर्फ 48% लाभुक राशन का उठाव कर रहे हैं। बता दें कि इस योजना के तहत बैकलॉग खाद्यान्न का वितरण किया जा रहा है। ऐसी स्थिति में खाद्यान्न के वितरण में तीव्रता एवं तत्परता से कार्य किया जाना आवश्यक है। रांची जिला प्रशासन ने निर्देश दिया है कि झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना से आच्छादित परिवार अपने-अपने डीलरों से नवंबर और दिसंबर 2022 का बैकलॉग आवंटित खाद्यान्न जल्द प्राप्त कर ले। जनवरी 2023 से अप्रैल 2023 तक के लिए आवंटित खाद्यान्न आपूर्तिकर्ता द्वारा जल्द उपलब्ध करायी जायेगी। जिसे लाभुकों के बीच शीघ्र वितरित किया जायेगा।

बीआईटी मेसरा में दो दिवसीय कॉन्क्लेव शुरू

RANCHI : बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान मेसरा में आयोजित आत्मनिर्भर टेक्नोलॉजीज इंजीनियरिंग सिक्योर्ड फ्यूचर पर 17वां नेशनल फ्रंटियर्स ऑफ इंजीनियरिंग कॉन्क्लेव का उद्घाटन सांसद जयंत सिन्हा ने किया। समारोह की शुरूआत बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान मेसरा के आरआईई के डीन और नेशनल फ्रंटियर्स ऑफ इंजीनियरिंग 2023 के समन्वयक डॉ सी जगनाथन के स्वागत भाषण और परिचय के साथ शुरू हुई। जयंत सिन्हा ने गेटिंग ग्रीन फ्रंटियर : नेट जीरो डेवलपमेंट मॉडल फॉर इंडिया विषय पर अपने बातें रखीं। उन्होंने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन की मदद से ग्रीन फ्रंटियर मॉडल पर छात्रों के साथ बातचीत की, जिस पर वह काम कर रहे हैं। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के कारण निकट भविष्य में आने वाली चुनौतियों के बारे में भी बताया। उन्होंने सतत विकास के लिए इनोवेशन ड्रिवेन जॉब्स की संख्या बढ़ाने का सुझाव दिया।

atom美
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

वंदे भारत EXPRESS तीसरे TRIAL RUN में पहुंची रांची

पीएम कल वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए हरी झंडी दिखाकर करेंगे उद्घाटन

PHOTON NEWS RANCHI : पटना-रांची वंदे भारत एक्सप्रेस का तीसरा और अंतिम ट्रायल रन किया गया। यह ट्रेन रविवार को रांची में एक बजे पहुंची। इसके बाद चार बजकर 15 मिनट पर पटना के लिए रवाना हो गई। इसके पहले ट्रेन कोडरमा 9.39 पर पहुंची और दो मिनट के स्टॉपेज के बाद कोडरमा स्टेशन से अपने अगले गंतव्य स्थान हजारीबाग टाउन के लिए रवाना हो गई। प्लेटफार्म संख्या 6 खाली नहीं होने के कारण यह ट्रेन कोडरमा में हावड़ा दिल्ली डाउन लाइन के प्लेटफार्म संख्या 3 पर रुकी और उसी प्लेटफार्म से उसे हजारीबाग, बरकाकाना, रांची नई रेल लाइन पर कोडरमा से शिफ्ट किया गया।

इससे पहले 12 जून को पहला और 18 जून को दूसरा ट्रायल रन किया गया था। वंदे भारत एक्सप्रेस में कोडरमा से क्रू मेंबर सवार हुए, जो ट्रेन को रांची लेकर गए। पटना-रांची के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का उद्घाटन 27 जून को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हरी झंडी दिखाकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पूर्वाह्न 10:30 बजे करेंगे। यह ट्रेन पटना से हटिया तक चलेगी। इस रूट पर दो बार ट्रायल रन सफल रहा है। कोडरमा के स्टेशन प्रबंधक रविंद्र कुमार ने बताया कि 27 जून को उद्घाटन होने के बाद यह ट्रेन नियमित तौर पर सप्ताह में मंगलवार छोड़कर छह दिन रांची से पटना तक चलेगी।

ये है किराया

- वंदे भारत एक्सप्रेस में चेयर कार का आधार किराया 890 रुपये और एक्जीक्यूटिव क्लास का किराया 1760 रुपये है। पूरी ट्रेन वातानुकूलित है।
- भोजन की सुविधा के साथ रांची से पटना के लिए वातानुकूलित चेयर कार का किराया 1175 रुपये और एक्जीक्यूटिव चेयर कार का किराया 2110 रुपये है।
- पटना से रांची के लिए भोजन की सुविधा के साथ वातानुकूलित चेयर कार का किराया 1025 रुपये और एक्जीक्यूटिव चेयर कार का किराया 1930 रुपये है।
- बता दें कि यात्रा में भोजन की सुविधा स्वैच्छिक है। पटना से रांची और रांची से पटना के किराये में भोजन का समय और मेन्यू अलग-अलग होने की वजह से अंतर है।

वंदे भारत ट्रेन का शीशा टूटा

वंदे भारत एक्सप्रेस के तीसरे ट्रायल के दौरान सी-1 बोगी का शीशा टूट हुआ पाया गया। आशंका व्यक्त की जा रही है कि शीशा पत्थरबाजी के कारण हुआ है। इस घटना के बाद रेलवे के सामने बड़ी चुनौती है कि ऐसे पत्थरबाजी की घटनाओं को कैसे रोका जाए। रांची रेल मंडल के 20 संवेदनशील जगहों को पहले ही चिन्हित किया जा चुका है, जहां पर अन्य ट्रेनों पर पत्थरबाजी की घटनाएं कई बार हो चुकी है। हालांकि इस पत्थरबाजी को लेकर रांची रेल मंडल का कहना है कि यह शीशा दूसरे ट्रायल के वक्त ही चटका (दरकना) था। रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि पटना से रांची आने के क्रम में बड़काकाना स्टेशन से पहले ट्रेन के एक बोगी का कांच टूट गया। यह पथराव से हुआ है या कुछ और कारण है इसकी जांच की जा रही है। शीशा जिस तरह से टूटा हुआ पाया गया है उससे यह स्पष्ट लग रहा है कि पत्थर से ही शीशा पर वार किया गया है। इस शीशे को अब बदलने की तैयारी शुरू कर दी गई है, इसे हावड़ा से मंगवाया जा रहा है ताकि इसे बदला जा सके। आशंका यह भी व्यक्त की जा रही है कि हजारीबाग टाउन व बरकाकाना के बीच शीशा क्षतिग्रस्त हुआ होगा। अब तक यह पता नहीं चल पाया है कि शीशा के क्षतिग्रस्त होने का कारण क्या है। हालांकि, बरकाकाना में स्थानीय लोगों ने बताया कि वहां रेलवे ट्रैक पर काम चल रहा है, इस दौरान छिटककर पत्थर लगाने से शीशा क्षतिग्रस्त होने की संभावना है। झारखंड में वंदे भारत के शुरूआत से पहले ही इस तरह की घटना कई सवालों को खड़ा कर रही है। दूसरे कई राज्यों में वंदे भारत ट्रेन पर पत्थरबाजी जैसी घटनाएं हो चुकी है। जिसे देखते हुए रेलवे जोन के सभी जीएम को निर्देश दिया गया था कि वे पत्थरबाजी जैसी घटना को रोकने के लिए पर्याप्त इंतजाम करें। जिसके बाद रेलवे के अनुसार जब वंदे भारत का ट्रायल शुरू हुआ तो दानापुर मंडल, धनबाद मंडल और रांची रेल मंडल के संवेदनशील जगहों पर आरपीएफ के जवानों को तैनात किया गया और सी-1 कोच में जो चटकने की बात की जा रही है उसकी कोई शिकायत नहीं मिली है।

ओरमांझी से बूटी मोड़ के यात्री पकड़ेंगे मेसरा स्टेशन से ट्रेन

ओरमांझी से बूटी मोड़ तक रहने वाले यात्री भी मेसरा स्टेशन से ट्रेन पकड़ना ज्यादा बेहतर समझेंगे। इसके लिए वह रांची रेलवे स्टेशन नहीं जाएंगे। ऐसे में मेसरा स्टेशन पर यात्रियों का दबाव बढ़ेगा। बीआइटी मेसरा, मेसरा, बूटी मोड़, जुमार क्षेत्र, इरबा क्षेत्र के यात्री मेसरा ही जाना ज्यादा पसंद करेंगे, जबकि रेलवे द्वारा यात्रियों के लिए को भी सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई है।

रांची स्टेशन पर यात्रियों के लिए है कई सुविधाएं

रांची रेल मंडल अंतर्गत रांची स्टेशन पर सारी सुविधाएं हैं। यात्रियों के लिए हर सुविधा उपलब्ध कराई गई है। उद्घाटन कार्यक्रम को देखते हुए स्टेशन को दुल्हन की तरह सजाया गया है। रेलवे ट्रैक पर रंगाई पोताई की गई है। शेड के सीलिंग को रंग-बिरंगे कपड़ों को ओढ़ाया गया है। प्लेटफॉर्म पर रेड कॉर्पेट बिछाया गया है।

बाड़ागाई में सम्मान समारोह का आयोजन

ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने छात्रों को किया सम्मानित

छात्रा को सम्मानित करते ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : अंजुमन इस्लामिया बाड़ागाई द्वारा मैट्रिक और इंटर के सफल छात्रों के लिए मदरसा फैज आम/प्रोग्रेसिव हाई स्कूल परिसर में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस सम्मान समारोह की शुरूआत तिलावत ए कुरान के साथ से हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता हाजी शफीउल्लाह ने की और संचालन का दायित्व मदरसा फैज आम/प्रोग्रेसिव हाई स्कूल की पांच सदस्यीय कमेटी के मास्टर इमरान, हाजी रेजाईरहमान, अब्दुल खालिद, इन्तेखाब अंसारी व मिनहाज अख्तर ने निभाया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रांची ग्रामीण एसपी नौशाद आलम और रांची यूनिवर्सिटी के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी मोहम्मद मुल्तान साहब शामिल रहे।

ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने कार्यक्रम को को संबोधित करते हुए कहा कि जिंदगी में आगे बढ़ना है तो मेहनत जरूर करें। आपको आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आपके बीच शांति बनी रहे। जब माहौल खुशनुमा होता है तो बच्चों को पढ़ने लिखने में मन लगा रहता है और अगर किसी कारण गांव घर का माहौल कुछ असामजिक लोगों के कारण खराब होता है तो इसमें सबसे ज्यादा प्रभाव बच्चों पर पड़ता है। इसलिए चाहिए कि हम अपने समाज के माहौल को अच्छा रखे। साथ साथ उन्होंने बच्चों को आगे बढ़ने के लिए कई सारे बातें बताई।

इन्हें मिला पुरस्कार

कार्यक्रम में मैट्रिक और इंटरमीडिएट में सफल कुल 120 छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। जिसमें मैट्रिक के टॉप 3 में आने वाली सुमईया परवीन, नगमा परवीन, नाजनीन परवीन को मुख्य अतिथि जनाब नौशाद आलम साहब ने पुरुस्कृत किए वहीं इंटर आर्ट्स, कॉमर्स व साइंस के टॉप 3 में आने वाले आतिफ बशीर, रुखसार परवीन, शोएबा शाहीन, नफीजुर रहमान, मिकाइल आफताब, अयान अहमद, ताहिरा परवीन, शबनम परवीन, रोशन परवीन को अंजुमन इस्लामिया के सदर हाजी शफिउल्लाह, सचिव मास्टर जीकरुल्लाह, मोहम्मद मुल्तान, हाजी रेजाउर्रहमान, मास्टर साजिद, सबिक सदर इकबाल अहमद, इंतिखाब अंसारी, मास्टर मोइज अख्तर, ने पुरस्कृत किया.इसके अलावा मदरसा फैज आम/प्रोग्रेसिव हाई स्कूल में आयोजित सीरत क्विज में भाग लेने वाली छात्राओं को भी पुरस्कार दिया गया।

आसनी मुंडा हत्याकांड मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

CRIME REPORTER RANCHI : सिल्ली थाना पुलिस ने आसनी मुंडा हत्याकांड में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें वासुदेव मुंडा, बाबूलाल मुंडा, अर्जुन मुंडा और सुनील मुंडा शामिल हैं। इनके पास से घटना में प्रयुक्त चाकू, हत्या के समय पहना हुआ खून लगा कपड़ा और दो खून लगा पत्थर बरामद किया गया है। ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने रविवार को प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि 24 जून को सिल्ली निवासी पारो देवी ने थाने में पति के हत्या का मामला दर्ज कराया था। दर्ज प्राथमिकी में बताया गया था कि 22 जून को उनकी पुत्री राधिका कुमारी और वासुदेव मुंडा का पुत्र अशोक कुमार के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। कुछ देर बाद बासुदेव मुंडा तीन दोस्तों के साथ वहां पहुंचा और पॉकेट से चाकू निकालकर आसनी मुंडा के पेट में मार दिया। आसनी मुंडा गंभीर अवस्था में रिम्स ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान 24 जून को उसकी मौत हो गई। एसपी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सिल्ली डीएसपी खिस्टोफर केरकेट्टा के नेतृत्व में छापेमारी टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले में चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में चारों आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया।

प्रेस कांफ्रेंस कर जानकारी देते ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ● फोटोन न्यूज

तस्करी के दो आरोपी गिरफ्तार डेढ़ लाख की अफीम बरामद

CRIME REPORTER RANCHI : शहर की नामकुम थाना पुलिस ने डेढ़ लाख की अफीम के साथ तस्करी के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें डीडू अहीर और मंगल महतो शामिल हैं। इनके पास से एक किलो 280 ग्राम अफीम बरामद हुआ है, जिसका बाजार मूल्य डेढ़ लाख रुपये है। ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने रविवार को प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि नामकुम थाना क्षेत्र के ब्यांगडीह बाजार में मंगल महतो के घर पर दशम फॉल थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति अफीम लेकर आया है। सूचना के बाद सहायक पुलिस अधीक्षक मूमल राजपुरोहित के नेतृत्व में एक छापेमारी दल का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उक्त स्थान पर छापेमारी की। पुलिस टीम को देख कर दोनों घर से निकलकर भागने का प्रयास करने लगे लेकिन पुलिस ने खदेड़ कर पकड़ लिया। पूछताछ में गिरफ्तार तस्करों ने बताया कि दोनों अफीम कपूरिया बनाकर रांची में बेचने वाले थे। इससे पहले ही वे पकड़े गए।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए अभियान चलाने का निर्देश

PHOTON NEWS RANCHI : जिनकी उम्र एक जुलाई और एक अक्टूबर को 18 वर्ष पूरा हो रहा है, वे वोटर लिस्ट में अपना नाम जुड़वा सकते हैं। इसके लिए उन्हें फॉर्म-6 भर कर आवेदन करना होगा। साथ ही जिन मतदाताओं को वोटर लिस्ट से नाम हटवाना है उसके लिए भी जिला निर्वाचन कार्यालय ने ऑप्शन दे दिया है। नाम हटवाने के लिए फॉर्म-7 भर कर जमा करना होगा। डीसी राहुल कुमार सिन्हा ने जिले के सभी बीएलओ को निर्देश दिया है कि घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करें और जो नये वोटर हैं, उनका फॉर्म भरवायें। मतदाता में किसी प्रकार की त्रुटि को भी सुधार कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें फॉर्म-8 भरना होगा। वर्ष 2014 एवं वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में वैसे मतदान केंद्र जहां 10 प्रतिशत से कम मतदान हुआ है, डीसी ने वैसे मतदान केंद्रों की पहचान कर मतदाताओं के बीच मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए जागरुकता अभियान चलाने को कहा है। डीसी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि 17 अक्टूबर को मतदाता सूची के ड्राफ्ट का पब्लिकेशन होगा। इसके बाद विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की कार्रवाई की जायेगी, जिसमें 17 अक्टूबर से 30 नवंबर तक मतदाता अपना दावा एवं आपत्ति दर्ज करा सकेंगे, जिसका निष्पादन 26 दिसंबर तक कर लिया जायेगा।

बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार से नौ बंदी रिहा

CRIME REPORTER RANCHI : रांची राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद के निर्णय पर नौ कैदियों को होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा (जेल) से रविवार को रिहा किया गया। रिहा होने वाले बंदियों को बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा, होटवार के अधीक्षक हामिद अख्तर और जेलर मो. नसीम अहमद ने अच्छे जीवन के लिए शुभकामनाएं दी। इनमें सिमडेगा के ठेठईटांगर निवासी सेलेस्टीन डुंगडुंग(74), बानो निवासी शिव स्वांसी (40), कुरडेग निवासी बैसाखु मांझी (39), कोचेडेगा निवासी रामू प्रधान (51), गुमला के महावीर बड़ाईक(36), गुमला के सोसो महली टोली निवासी माठु महली उर्फ मंटू महली(38), गढ़वा के नगर ऊंटारी निवासी रामचंद्र साव(58), खूंटी के कर्रा निवासी बेरनाथ धान उर्फ दाउद धान (41) और लातेहार के महुंआडांड़ निवासी किनवा मुंडा (38) शामिल हैं। जिन बंदियो को रिहा किया गया, उनमें सभी कैदी हत्या मामले में सजा काट रहे थे। रिहा होने के बाद बंदियों को भगवान की मूर्ति स्मृति चिन्ह के रूप में दी गयी। साथ ही एक धार्मिक, महापुरुषों की जीवनी से संबंधित पुस्तक, उनका पासबुक, प्रमाण पत्र दिया गया। उल्लेखनीय है कि राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की बैठक के पहले उन बंदियों के सारी जानकारी ली जाती है। इसके बाद तय होता है कि उसे रिहा करने से वह गांव एवं शहर में फिर से किसी प्रकार आपराधिक गतिविधियों में शामिल नहीं होगा। जेल से रिहा होने के पहले उक्त कैदियों से शपथ लिया जाता है कि वह अपना आचरण अच्छा रखेंगे।

रांची नगर निगम सिटीजन फोरम के कोर कमेटी सदस्यों की हुई बैठक

दीपेश निराला अध्यक्ष व सुशील क्रांतिकारी सचिव मनोनीत

PHOTON NEWS RANCHI : आरएमसी सिटीजन फोरम के कोर कमेटी सदस्यों की बैठक संयोजक दीपेश कुमार निराला की अध्यक्षता में प्रकाश नगर, बिरसा चौक, रांची में आयोजित की गई। जिसमें फोरम की सांगठनिक रूपरेखा सहित आगामी कार्यक्रमों की चर्चा की गई और अभी तक हुए विगत कार्यों की समीक्षा की गई। फोरम के औपचारिक कार्यों हेतु कोर कमेटी सदस्यों द्वारा 3 लोगों को दायित्व दिया गया। जिसके तहत अध्यक्ष के रूप में दीपेश कुमार निराला, सचिव के रूप में सुशील क्रांतिकारी और कोषाध्यक्ष के रूप में विनोद जैन बेगवानी को चुना गया। शेष समस्त कोर कमेटी सदस्यों को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में रखा गया। फोरम का अन्य संगठनों के साथ कॉर्डिनेशन हेतु रेणुका तिवारी को अधिकृत किया गया। जुलाई महीने में फोरम की वार्ड बैठक चुटिया में आयोजित करने का कार्यक्रम बन। जिसकी जिम्मेदारी विनोद जैन बेगवानी और विवेक महारथी ने संयुक्त रूप से ली। साथ ही नगर विकास एवं आवास विभाग और रांची नगर निगम के पदाधिकारियों से औपचारिक भेंट वार्ता कर जनसमस्याओं से अवगत करवाने का कार्यक्रम निर्धारित किया गया। उक्त बैठक में दीपेश कुमार निराला, रेणुका तिवारी, विवेक महारथी, प्रमोद कुमार जयसवाल, सुशील क्रांतिकारी, अनिल कुमार, मिली वर्मा, स्वामी दिव्यज्ञान, विनोद जैन बेगवानी और उमाशंकर सिंह उपस्थित हुए।

बैठक में शामिल लोग।

राजधानी रांची में सबसे अधिक 794 हत्याएं, राज्य में वर्ष 2019 में 2058 वारदात को अपराधियों ने दिया अंजाम

झारखंड में पिछले 4.5 साल में 8787 लोगों का हुआ MURDER

SUHAIB ANSARI, RANCHI : झारखंड में साढ़े चार वर्षों में 8787 हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया है। राजधानी रांची में साढ़े चार वर्षों में सबसे अधिक 794 हत्या की वारदातें हुईं हैं। पुलिस मुख्यालय से मिले आंकड़ों के अनुसार राज्य में वर्ष 2019 में 2058 हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया। इनमें रांची में 189, धनबाद में 102, गिरिडीह में 135, हजारीबाग में 103, जमशेदपुर में 93, पलामू में 121, साहिबगंज में 85, दुमका में 72, पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा)में 122, बोकारो में 88, लातेहार में 66, जामताड़ा में 28, सरायकेला में 64, सिमडेगा में 54, रेल धनबाद में छह, रेल जमशेदपुर में चार, देवघर में 97, गोड्डा में 76, गुमला में 128, लोहरदगा में 33, चतरा में 67, गढ़वा में 138, कोडरमा में 37 खूंटी में 81, रामगढ़ में 36, और पाकुड़ में 33 शामिल है। वर्ष 2019 में सबसे अधिक हत्या की वारदात राजधानी रांची में हुई है। इसी प्रकार वर्ष 2020 में 1996 हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया है। इनमें रांची में 174, धनबाद में 108, गिरिडीह में 125, हजारीबाग में 124, जमशेदपुर में 111, पलामू में 124, साहिबगंज में 72, दुमका में 76 पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा)में 110, बोकारो में 84, लातेहार में 73, जामताड़ा में 35, सरायकेला में 53, सिमडेगा में 57, रेल धनबाद में तीन, रेल जमशेदपुर में एक, देवघर में 73, गोड्डा में 60, गुमला में 123, लोहरदगा में 35, चतरा में 75, गढ़वा में 106, कोडरमा में 46, खूंटी में 74, रामगढ़ में 38 और पाकुड़ में 36 शामिल है। वर्ष 2020 में राजधानी रांची में सबसे अधिक हत्या की वारदात हुई है। वर्ष 2021 में हत्या की 1986 वारदात को अंजाम दिया गया है। इनमें रांची में 190, धनबाद में 109, गिरिडीह में 127, हजारीबाग में 116, पलामू में 122, साहिबगंज 59, दुमका में 65 पूर्वी सिंहभूम (चाईबासा) में 114, बोकारो में 81, लातेहार में 53 ,जामताड़ा में 35, सरायकेला में 68, सिमडेगा में 39, रेल धनबाद में तीन, रेल जमशेदपुर में दो, देवघर में 99, गोड्डा में 66, गुमला में 123, लोहरदगा में 30, चतरा में 61, गढ़वा में 137, कोडरमा में 38, खूंटी में 65, रामगढ़ में 35 और पाकुड़ में 43 शामिल है। वर्ष 2022 में हत्या की 1886 वारदात को अंजाम दिया गया है। इनमें रांची में 172, धनबाद में 102, गिरिडीह में 117, हजारीबाग में 114, पलामू में 115 ,जमशेदपुर में 93, साहिबगंज में 56 दुमका में 86 पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) में 114, बोकारो में 74, लातेहार में 54, जामताड़ा में 31, सरायकेला में 79, सिमडेगा में 47, रेल धनबाद में दो, रेल जमशेदपुर में पांच, देवघर में 113, गोड्डा में 50, गुमला में 90 ,लोहरदगा में 30 ,चतरा में 65 ,गढ़वा में 113, कोडरमा में 34, खूंटी में 65, रामगढ़ में 38 और पाकुड़ में 27 शामिल है। इसी प्रकार वर्ष 2023 में अब तक 861 हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया है। इनमें रांची में 69, धनबाद में 51, गिरिडीह में 60, हजारीबाग में 56, साहिबगंज में 30, दुमका में 30 ,चाईबासा में 63, बोकारो में 38, लातेहार में 23, जामताड़ा में नौ, सरायकेला में 19, सिमडेगा में 22, रेल धनबाद में एक, देवघर में 48, गोड्डा में 27, गुमला में 31, लोहरदगा में 12, चतरा में 42, गढ़वा में 59, कोडरमा में 29, खूंटी में 22, रामगढ़ में 18 और पाकुड़ में 12 शामिल है। हालांकि, आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023 में अब तक पिछले चार वर्षों की तुलना में हत्या की वारदात कम हुई है।

कोडरमा में नौकरी के नाम पर आठ युवकों से 20 लाख की ठगी, तीन आरोपी गिरफ्तार

PHOTON NEWS KODERMA : जयनगर थाना पुलिस ने कई युवकों से रेलवे, एफसीआई, बैंक और पोस्ट ऑफिस आदि में नौकरी लगवाने व फर्जी नियुक्ति पत्र देकर 20 लाख रुपए ठगी करने के मामले का उद्भेदन करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से विभिन्न सरकारी विभाग के फर्जी नियुक्ति पत्र, लैपटॉप, प्रिंटर, फर्जी नियुक्ति पत्र छापने के कई सामान एवं विभिन्न बैंकों के एटीएम कार्ड भी बरामद किए गए हैं।

गिरफ्तार आरोपी व जानकारी देती पुलिस। ● द फोटोन न्यूज

इस मामले में जयनगर थाना में प्रमिला वर्णवाल ने मामला दर्ज कराया था। मामले को लेकर मोहम्मद हुसैन (पिता नसीरुद्दीन मौलाना, आजाद बस्ती, नामकुम), अख्तर अंसारी पिता शफी अहमद, मस्केडीह चलकुशा, वर्तमान पता आजाद बस्ती नामकुम), पिंटू कुमार (पिता स्वर्गीय रामजी राम, हरमू हाउसिंग कॉलोनी, हरमू रांची), मोहम्मद अरमान और आलम अंसारी (पता नहीं मालूम) पर साजिश के तहत नौकरी दिलाने के नाम पर 8 बेरोजगार युवकों से 20 लाख रुपये की ठगी कर फर्जी नियुक्ति पत्र देने, पैसा वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी देने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। छापेमारी टीम गठित करने के बाद तकनीकी सहायता प्राप्त कर छापेमारी कर मोहम्मद हुसैन, अख्तर अंसारी और पिंटू कुमार को रविवार को गिरफ्तार किया गया।

इनके पास से विभिन्न बैंक अकाउंट का डेबिट कार्ड, 15 फर्जी स्टांप, विभिन्न पद के लिए फर्जी नियुक्ति पत्र, नगद 7850 रुपये, फर्जी आईडी कार्ड समेत अन्य सामान बरामद किए गए। अभियुक्तों की गिरफ्तारी के बाद एएसपी प्रवीण पुष्कर ने रविवार देर शाम प्रेस वार्ता में बताया कि अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। छापेमारी दल में थाना प्रभारी जयनगर ऋषिकेश कुमार सिन्हा, पुलिस अवर निरीक्षक पंचम तिग्गा, जयनगर थाना के पुलिस बल और तकनीकी शाखा के जवान शामिल थे।

राष्ट्रीय सेवा मंच ने दर्जनों गरीबों को कराया भोजन, जारी रहेगा सेवाभाव

PHOTON NEWS RAMGARH : समाजसेवी संस्था राष्ट्रीय सेवा मंच द्वारा प्रत्येक सप्ताह की भांति इस रविवार को भी साप्ताहिक बाजार भुरकुंडा में दूर-दराज ग्रामीण क्षेत्रों से दातुल-पत्तल बेचने आये गरीबों को भोजन कराया। इस दौरान मंच के अध्यक्ष डब्लू सिंह, भाजपा उमाशंकर जयसवाल व शिक्षक भूपेन्द्र वर्णवाल उर्फ रिंकु ने दर्जनों गरीब महिला-पुरूष व बच्चों के बीच भोजन का वितरण किया।

भोजन का वितरण करते मंच के लोग। ● द फोटोन न्यूज

मौके पर डब्लू सिंह सबों के सहयोग से मंच द्वारा पिछले 7 वर्षों से गरीबों को भोजन कराया जाता रहा है जो कि आगे भी जारी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि मंच का उद्देश्य ही गरीबों की सेवा है जो निरंतर जारी रहेगा। अध्यक्ष श्री सिंह ने कहा कि ऐसे नेक और सामाजिक कार्य में सब को तन मन धन से सहयोग करना चाहिए। कार्यक्रम को सफल बनाने में रेणुका देवी, लखन राम, लालू उरांव, दिलीप गंझू, राकेश शर्मा, सुकरा करमाली, अशोक झा आदि का विशेष योगदान रहा।

चिलेक्स फुडयोटिका में करियर गाइडेंस सेमिनार का आयोजन, विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ लिया हिस्सा

PHOTON NEWS RAMGARH : भदानीनगर क्षेत्र के कुरसे फोरलाइन स्थित चिलेक्स फुडयोटिका में रविवार को सद्भावना मंच और आस्क एकाडेमी के तत्वावधान में करियर गाईडेंस सेमिनार का आयोजन हुआ। इसमें मुख्य रूप से राणा विक्रम सिंह डायरेक्टर रांची उपस्थित थे।

बच्चों को परामर्श देते अतिथि। ● द फोटोन न्यूज

सेमिनार में आर्ट्स, कॉमर्स और साईंस के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए राणा विक्रम सिंह ने कहा कि आप तीनों संकाय के लिए करियर की असीम संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि हमारी संस्था छात्र-छात्राओं को बेहतर गाईडेंस देकर रोजगार के अवसर प्रदान करने का काम करती है। श्री सिंह ने कहा कि बच्चों का भविष्य संवारना ही सद्भावना मंच और आस्क एकाडेमी का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि यह सेमिनार बच्चों के लिए काफी लाभदायक सिद्ध होगा। सेमिनार में आर्ट्स, कॉमर्स और साईंस तीनों संकाय के बच्चे उत्साह के साथ शामिल हुए। मौके पर डॉ. एसजे अख्तर, निशा, स्वाति, फरहत, निखत, सुफियान, जिसान, सपाम सहित कई विद्यार्थी मौजूद थे।

बसंती लाइब्रेरी के मासिक साहित्यिक सत्र का आयोजन

PHOTON NEWS ROURKELA : शहर की अग्रणी साहित्यिक संस्था बसंती लाइब्रेरी ने पुस्तकालय परिसर में अपना मासिक साहित्यिक असर का आयोजन किया है। अध्यक्ष एवं प्रधान संपादक विक्रमचंद्र आचार्य की अध्यक्षता एवं सुबासिनी साहू के संचालन में आयोजित इस कार्यक्रम में पत्रकार संघ के उपाध्यक्ष एवं कवि कुंजबिहारी राउत मुख्य अतिथि एवं आलोचक के रूप में शामिल हुए।

कार्यक्रम में उपस्थित संस्था के लोग। ● द फोटोन न्यूज

राऊत ने अपने भाषण में कहा कि शब्दों का संयम ही साहित्य है. साहित्य और पत्रकारिता एक दूसरे के पूरक हैं। भाषा बढ़ेगी तो साहित्य भी बढ़ेगा, वैसे भी खबरों के लिए साहित्य बड़ा हो गया है। इसलिए साहित्य में अखबार का योगदान अद्वितीय है। इससे उन्होंने सही और गलत शब्दों में फर्क किया। इस मौके पर स्तंभकार भूपेन महापात्र ने 'सरकार' और संजीव कुमार भोई ने 'पदर मां' शीर्षक से कहानी पढ़ी।

कवयित्री उबार्शी दासपति एवं रश्मी साहू के संयोजन में आयोजित काव्य पाठ कार्यक्रम के दूसरे चरण में रवीन्द्रनाथ मोहंती, उपेन्द्र बस्तिया, सुमिता स्वैन, कांतिता दाश, कुंजबिहारी राउत एवं सुभासिनी साहू ने काव्य पाठ किया जबकि सर्वश्री डॉ. सुमनदत्त, डॉ. शक्ति प्रसाद ने काव्य पाठ किया। सामंथराय, किशोरी मोहन कर., सौदामिनी मिश्रा, ममता महापात्र, रीना पांगे, गीतांजलि महापात्र, शुकदेव साहू, श्रीकांत मणिगराही, रवीन्द्र ठाकुर, कविता दाश, कमला आचार्य उपस्थित थे और कार्यक्रम के संचालन में सहयोग किया। प्रारंभ में अध्यक्षता कर रहे श्री बेहरा ने स्वागत भाषण दिया तथा अतिथियों का परिचय दिया तथा संपादक श्री आचार्य ने कार्यक्रम की जानकारी दी तथा अंत में धन्यवाद ज्ञापन किया।

साहित्य और पत्रकारिता एक दूसरे के पूरक : कुंजबिहारी राउत

PHOTON NEWS ROURKELA : शहर की अग्रणी साहित्यिक संस्था बसंती लाइब्रेरी ने पुस्तकालय परिसर में अपना मासिक साहित्यिक समारोह आयोजित किया। संस्था के अध्यक्ष एवं प्रधान संपादक विक्रमचंद्र आचार्य की अध्यक्षता एवं सुबासिनी साहू के संचालन में कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में पत्रकार संघ के उपाध्यक्ष एवं कवि कुंजबिहारी राउत मुख्य अतिथि थे। इस दौरान कहा कि कुंज बिहारी राऊत ने कहा कि शब्दों का संयम ही साहित्य है। साहित्य और पत्रकारिता एक दूसरे के पूरक हैं। भाषा बढ़ेगी तो साहित्य भी बढ़ेगा, वैसे भी खबरों के लिए साहित्य बड़ा हो गया है। साहित्य में अखबार का योगदान अद्वितीय है। इससे उन्होंने सही और गलत शब्दों में फर्क बताया गया।

इस मौके पर स्तंभकार भूपेन महापात्र ने 'सरकार' और संजीव कुमार भोई ने 'पदर मां' शीर्षक से कहानी पढ़ी। कवयित्री उर्वशी दास पति एवं रश्मि साहू के संयोजन में आयोजित काव्य पाठ कार्यक्रम के दूसरे चरण में रवीन्द्रनाथ मोहंती, उपेन्द्र बस्तिया, सुमिता स्वैन, कांतिता दाश, कुंजबिहारी राउत एवं सुभासिनी साहू ने काव्य पाठ किया। डा. सुमनदत्त, डॉ. शक्ति प्रसाद ने काव्य पाठ किया।

बलसगरा में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित करने को लेकर तैयारी समिति का किया गया गठन

PHOTON NEWS ROURKELA : झारखंड कुर्मी महासभा की ओर से बलसगरा में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि आगामी 9 जुलाई 2023 को किसान मजदूर उच्च विद्यालय बलसगरा में प्रतिभा सम्मान समारोह किया जाएगा। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष कुमेश्वर महतो, सेवालाल महतो, बिहारी महतो, मंगलदेव महतो, गुलचंद महतो, सुरेंद्र महतो, सुदर्शन महतो,लालधन महतो, रामचंद्र महतो, मोतीलाल महतो, बैजनाथ महतो, मोहरलाल महतो,दुबेश्वर महतो, बैजनाथ महतो एवं काफी संख्या में समाज के लोग मौजूद थे। बैठक में तैयारी समिति गठन किया गया जो इस प्रकार से

समिति के लोग। ● द फोटोन न्यूज

सेवालाल महतो, गुलचंद महतो, मंगलदेव महतो, प्रमोद कुमार महतो, बिहारी महतो, देवकी महतो, रघुनंदन प्रसाद, रामटहल महतो, लालधन महतो, सुरेंद्र महतो, मोतीलाल महतो, सुदर्शन महतो, देवकी महतो, कपिल देव चौधरी, रामप्रसाद महतो,झरी महतो को बनाया गया है।

मैट्रिक परीक्षा में 90% और इंटर में 85% अंक लाने वाले छात्र -छात्राओं को हजारीबाग जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा।

बारिश ने खोली पोल, मुहल्ले में घुसा गंदा पानी

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला नगर निगम की सफाई की पोल पहली बरसात में खुल गई। राउरकेला महानगर निगम अंतर्गत शहर के अनेक गलियों समेत नालो से बरसात का गंदा पानी नालियों से निकलकर रोड पर बह रहा है। मुख्य मार्ग समेत अनेक गलियों में गंदा पानी बहते हुए अंचल के अनेक बस्तियों समेत घरों में गंदा पानी घुस रहा है।

मुहल्ले में बहता गंदा पानी। ● द फोटोन न्यूज

रविवार दोपहर को हुई बारिश से नालियां साफ नहीं होने के कारण बरसात का गंदा पानी नालियों से बस्तियों के घरों में घुस गया। इसमे गड़ा टोला बस्ती, माल गोदाम बस्ती, मंगल भवन के पीछे, बोथरा गारमेंट्स के बगल वाली गली में नाली का गंदा पानी गलियों में बह रहा है। इसी प्रकार शहर के मुख्य मार्ग में भी ड्रेन का गंदा पानी रोड पर बह रहा है। एसबीआई चौक के आगे, आईटीआई चौक के समक्ष मुख्य मार्ग में भी रोड पर पानी बह रहा है।

रामगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की 30वीं वार्षिक आमसभा संपन्न

व्यापारियों की समस्या का ऑन स्पॉट होगा समाधान : अंबा प्रसाद

PHOTON NEWS RAMGARH : रामगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के 30वीं वार्षिक आमसभा की अध्यक्षता करते हुए चेंबर अध्यक्ष विनय कुमार अग्रवाल ने अतिथियों का व्यापारियों का एवं शहर से आए गणमान्य लोगों का स्वागत किया। उन्होंने व्यापारियों की समस्याओं को विस्तार से मुख्य अतिथि एवं अति विशिष्ट अतिथि के समक्ष रखा साथ ही अग्रवाल ने यह भी कहा कि रामगढ़ जिला में व्यापार की बहुत संभावनाएं है सिर्फ सरकार का सहयोग अगर व्यापारियों को मिलेगा तो रामगढ़ जिला अपने आप में एक समृद्धि जिला होगा।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि सुश्री अंबा प्रसाद विधायक ने कहा कि व्यापारियों की समस्याओं के लिए वह हमेशा तत्पर रही है एवं

दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि व अन्य। ● द फोटोन न्यूज

चेंबर के सदस्यों को एवं व्यापारियों को जब भी कोई समस्या हो तुरंत मुझसे संपर्क करें मैं उसका शीघ्र समाधान करने का प्रयास करूंगी। भुरकुंडा की समस्याओं के बारे में उन्होंने बिजली मीटर समस्या के लिए मंच से ही जी एम से बात की एवं 12 जुलाई को भुरकुंडा में जिस दुकानदार के पास मीटर नहीं है उस दिन मीटर लगाने हेतु प्रक्रिया विभाग द्वारा किया जाएगा निर्णय लिया गया साथ ही भुरकुंडा में पेयजल समस्या रोड समस्या आदि समस्याओं के लिए अनुरोध किया कि जो भी समस्याओं होगी उसका शीघ्र समाधान करूंगी।

उन्होंने कहा कि राज्य में बालू की एक भीषण समस्या उत्पन्न हो गई है जिसको शीघ्र ही मुख्यमंत्री से वार्ता कर समाधान करने का प्रयास किया जाएगा पतरातू पर्यटक के के रूप में विकसित हो रहा है वहां बहुत रोपवे का कार्य जल्द प्रारंभ किया जाएगा जिससे पतरातु एक नए रूप में पहचान बना सके उन्होंने कहा कि चेंबर में व्यापारियों के बीच आकर उन्हें बहुत अच्छा लग रहा है।

विशिष्ट अतिथि रमेश कुमार अजमेरिया ने अपने संबोधन में कहा कि जिंदल परिवार की ओर से एवं व्यापारियों को जो भी सहयोग चाहिए हमेशा उनके साथ खड़ा है उन्होंने व्यापारियों से आवाहन किया कि हम सब एक होकर अपनी समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास करें ऐसी कोई समस्या नहीं है जिसका समाधान नहीं कर सकते हैं अजमेरियां ने कहा की व्यापारी की कोई भी समस्या को उनके अधिकार में होगी उसको हल करने का प्रयास किया जाएगा अति विशिष्ट अतिथि किशोर मंत्री अध्यक्ष फेडरेशन रांची ने कहा कि व्यापारियों के लिए मुद्रा लोन आदि का स्टाल लगाकर व्यापारियों को सुविधा उपलब्ध करा रहे हैं गैरमजरूआ खास भूमि के लिए भी फेडरेशन चेंबर द्वारा मुख्यमंत्री एवं राजस्व सचिव से वार्ता हो रही है।

उन्होंने उम्मीद जताई कि इस पर भी शीघ्र ही कोई न कोई निर्णय सरकार द्वारा लिया जाएगा उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि अंबा प्रसाद, रमेश कुमार अजमेरिया किशोर मंत्री को चैंबर सेवा ट्रस्ट द्वारा शॉल देकर सम्मानित किया गया एवं

इस अवसर पर चेंबर की ओर से अतिथिगण को एक ज्ञापन भी दिया गया जिसे निवर्तमान अध्यक्ष पंकज प्रसाद तिवारी ने चेंबर के समक्ष सदस्यों को पढ़कर उनको समस्याओं से अवगत कराया । व्यवसायिक अध्यक्ष पंकज प्रसाद तिवारी में सचिव प्रतिवेदन एवं बैंक के ब्यूरो को पास करवाया साथ ही ऑडिटर के रूप में श्री प्रवीण कुमार अग्रवाल को अगले 2 वर्षों के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंट नियुक्त किया गया इस अवसर पर चेंबर के उपाध्यक्ष मंजीत साहनी मानद सचिव मनोज चतुर्वेदी मानू संयुक्त सचिव संतोष तिवारी कोषाध्यक्ष इंद्रपाल सिंह सैनी चेंबर के पूर्व अध्यक्षगण सम्मानित सदस्यगण उपस्थित थे इस अवसर पर चेंबर के पूर्व अध्यक्षगण को प्रतीक चिन्ह देकर मुख्य अतिथि एवं अतिथियों के द्वारा सम्मानित किया गया मंच संचालन उमेश अग्रवाल ने एवं धन्यवाद ज्ञापन मंजीत साहनी ने दिया।

BRIEF NEWS

स्मार्ट सिटी मिशन की 8वीं सालगिरह पर मना जश्न

ROURKELA : स्मार्ट सिटी मिशन की 8वीं वर्षगांठ के अवसर पर रविवार को राउरकेला स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की। इसके तहत फुटबॉल मैच, फेस पेंटिंग, टी-शर्ट पेंटिंग और गुरुकुल आश्रम के ब्रह्मचारियों द्वारा श्लोक जप प्रतियोगिताएं हुई थी। इस दौरान आरएमसी आयुक्त और राउरकेला स्मार्ट सिटी के सीईओ डॉ. शुभंकर महापात्र ने विजेताओं को प्रमाण पत्र और ट्रॉफी प्रदान की।

बहुदा यात्रा और ईद-उल-जुहा की तैयारी को लेकर बैठक

ROURKELA : श्रीजगन्नाथ बहुदा यात्रा और ईद-उल-जुहा की तैयारी बैठक शनिवार शाम प्लांट साइट थाना परिसर में रविवार को हुई। जोन डीएसपी अनिल कुमार प्रधान, प्लांटसाइट आईआईसी, संतोष कुमार जेना, उदितनगर आईआईसी, रवीन्द्र नाथ पात्रा ने बहुदा जात्रा और ईद-उल-अजहा के शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर समिति के सदस्यों के साथ चर्चा की। बैठक में राउरकेला एकता मंच के सदस्य, विभिन्न रथ यात्रा समिति के सदस्य, विभिन्न ईद समिति के सदस्य उपस्थित थे।

पेड़ पर फंदे से लटका मिला युवक का शव

DUMKA : मसलिया थाना क्षेत्र के आश्रम मोड के पीछे स्थित डुमरी पाहड़ी में रविवार को एक युवक का शव रस्सी के सहारे पेड़ पर लटका बरामद हुआ। शव की पहचान थाना क्षेत्र के चापोडिया गांव के ही डाहरडीह टोला निवासी स्व सनातन सोरेन के पुत्र पानसर सोरेन (22) के रूप में हुई। वह एक सप्ताह पहले गुजरात से काम कर के घर लौटा था। विगत बुधवार को दोपहर करीब 12 बजे परिजनों को बिना बताए घर से निकल गया था। इधर एक दिन बित जाने के बाद भी जब पानसर घर नहीं पहुंचा तो परिजनों ने सगा संबंधी आदि जगहों में काफी खोजबीन किया। लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। रविवार सुबह को चरवाहे ने डुमरी पहाड़ी में पेड़ पर लटके एक शव होने की जानकारी ग्रामीणों को दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मसलिया पुलिस दल-बल के साथ घटनास्थल पहुंच कर शव को पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप यूडी केस दर्ज कर कार्रवाई में जुट गई है।

दुमका में अलग-अलग सड़क हादसों में दो बाइक सवारों की मौत

DUMKA : जिले के मसलिया और रामगढ़ थाना क्षेत्रों में रविवार को हुए हादसों में दो बाइक सवारों की मौत हो गई। मसलिया में बाइक के पेड़ से टकरा जाने से नाला के डाढ़ो गांव के 30 वर्षीय प्रदीप हांसदा एवं रामगढ़ के ढोलपाथर गांव के समीप पत्थर लदे ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार मुन्ना केवट की मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद शवों को उनके परिजनों को सौंप दिया है। जानकारी के अनुसार रामगढ़ थाना क्षेत्र के रामगढ़- दुमका मुख्य मार्ग पर ढोलपाथर गांव के पास दोपहर ट्रक एवं बाइक की सीधी टक्कर में काठीकुंड प्रखंड अंतर्गत दलदली गांव के मुन्ना केवट की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने किसी तरह से शव को बाहर निकालकर मेडिकल कालेज अस्पताल भेजा, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। इधर प्रदीप हांसदा सुबह श्यामपुर गांव में रहने वाले रिश्तेदारों से मिलने के लिए आया था। दोपहर को बाइक से घर लौट रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक काफी तेज रफ्तार से बाइक चला रहा था। श्यामपुर गांव के पास बाइक डगमगाने के बाद अर्जुन पेड़ से जा टकराई गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस आई और शव की कब्जे में लेकर कपड़ों की तलाश की। जेब में मिले मोबाइल नंबर से मरने वाले की पहचान हो सकी। हादसे के बाद परिजन थाना आए और बयान दर्ज कराकर शव का पोस्टमार्टम कराया। पुलिस ने बाइक को जब्त कर लिया है।

पेड़ से गिरकर घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

KHUNTI : सायको थानांतर्गत कोजोरोंग गांव निवासी मैदा मुंडा (35) की रविवार को खूंटी के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। बताया जाता है कि मैदा मुंडा पिछले दिनों पेड़ से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे इलाज के लिए खूंटी के केंएस गंगा नामक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान रविवार को उसकी मौत हो गई। सायको थाना की पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर स्वजनों को सौंप दिया।

मुरहू में फंदे से झूलकर युवती ने की खुदकुशी

KHUNTI : मुरहू थानांतर्गत भोंडा गांव निवासी सेनियल लुकस की पुत्री साक्षी लुकस (20) ने शनिवार देर शाम अपने घर में ही दुपट्टे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जाता है कि स्वजनों ने जब साक्षी को फंदे से झूलते देखा, तो तुरंत उसे फंदे से उतारकर इलाज के लिए सदर अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मुरहू थाना की पुलिस ने रविवार को शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद शव को स्वजनों को सौंप दिया। समाचार भेजे जाने तक आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बकरीद के मद्देनजर खूंटी थाने में शांति समिति की बैठक

KHUNTI : थाना परिसर में बकरीद के मद्देनजर रविवार को शांति समिति की बैठक हुई। बैठक में डीएसपी अमित कुमार, अंचलाधिकारी मधुश्री मिश्रा, प्रखंड विकास पदाधिकारी यूनिका शर्मा ने बकरीद पर होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी ली। साथ ही लोगों से सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में त्योहार मनाने की अपील की। बकरीद में बिजली और पानी की समस्या न हो, इस पर भी जोर दिया गया। डीएसपी अमित कुमार ने कहा कि त्योहार में ऐसा कदम कोई ना उठाएं, जिससे कोई विवाद खड़ा हो। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर ध्यान न दें और अफवाहों पर ध्यान न दें। बैठक में शकील पाशा, परमानन्द कश्यप, सयूम अंसारी, इसमाइन, जावेद अंसारी, अरकम अंसारी, अनूप साहू, दामोदर गुप्ता, राजकुमार गुप्ता, सुजल जायसवाल, योगेश राम आदि उपस्थित थे।

खतरनाक हो गया है तोरपा-कर्रा रोड का कांटी पुल

तोरपा-कर्रा रोड का कांटी पुल। ● द फोटोन न्यूज

KHUNTI : खूंटी, 25 जून (हि.स.)। तोरपा-कर्रा रोड पर कांटी पुल के पास मामूली बरसात में ही सड़क इतनी जर्जर और खतरनाक हो गई है कि अब तक कई लोग गिरकर घायल हो चुके हैं। खासकर दोपहिया वाहनों को वहां से पार होना काफी मुश्किल है। वर्षों पुरानी कांटी पुल काफी जर्जर हो चुकी है और वह कभी भी ध्वस्त हो सकती है। हर दिन दर्जनों बालू लदे हाइवा ट्रक के आवागमन से सड़क की स्थिति और भी जर्जर हो गई है। लगभग एक वर्ष पूर्व यहां नये पुल के निर्माण का काम शुरू किया गया, लेकिन महज सरिया गाड़कर छोड़ दिया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि उस फूल और सड़क की अविलंब मरम्मत नहीं कराई गई, तो तोरपा-कर्रा रोड पर आवागमन ठप होना तय है। इस संबंध में भाजपा नेता और गुमडू गांव निवासी विनोद सिंह और विशेश्वर सिंह कहते हैं कि यदि कांटी पुल ध्वस्त हो गया, तो दर्जनों गांव के लोग प्रभावित होंगे और प्रखंड मुख्यालय तथा खूंटी जाने में लोगों को काफी परेशानी होगी। उन्होंने कहा कि डोड़मा-सिसई रोड पर पहले ही छाता नदी पुल ध्वस्त हो चुका है और वहां एक साल से आवागमन ठप है। ऐसी स्थिति में काटी पुल पर आवागमन बंद होने से लोगों की परेशानी बढ़ेगी।

कादिम के बेटे ने दुकानदारों से मांगी रंगदारी, दुकानें बंद, 5 आरोपी गिरफ्तार

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: आदित्यपुर थाना से महज 100 मीटर की दूरी पर कपड़ा दुकानदार से रंगदारी मांगने का मामला प्रकाश में आया है। इसके विरोध में रविवार को दिंदली बाजार के दुकानदारों ने अपनी दुकानें बंद रखीं। मामले की शिकायत पुलिस से की गई। पुलिस ने आरोपी शाहबाज सहित अन्य चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पांचों से पुलिस पूछताछ कर रही है।

ब्राउन शुगर कारोबारी कादिम का बेटा है आरोपी शाहबाज: दुकानदारों का आरोप है कि ब्राउन शुगर का कारोबार करने वाले कादिम नाम के व्यक्ति के बेटे शाहबाज ने कपड़ा दुकानदारों में दहशत बनाने और हफ्ता वसूलने के लिए धमकी दी है। यह लोग इलाके में दहशत पैदा कर ब्राउन शुगर के कारोबार का वर्चस्व कायम करना चाहते हैं। यह लोग लंबे समय से नशे का कारोबार चलता रहे हैं। विदित हो कि आदित्यपुर थाना क्षेत्र के दिंदली बाजार में 400 दुकानें हैं। जहां बीती रात आदित्यपुर मुस्लिम बस्ती के रहने वाले कादिम का बेटा बाजार के प्रेम कुमार के कपड़ा दुकान में पहुंचा। दुकानदार का आरोप है कि शाहबाज अपने चार दोस्तों साथ दुकान में आकर रंगदारी मांगी। दुकानदार को इन लोगों ने धमकाया। दुकानदार से रंगदारी देने को कहा। जब दुकानदार ने रंगदारी देने से मना किया तो थप्पड़ जड़ दिया। इसके बाद दुकानदारों ने घटना के विरोध में रविवार सुबह अपनी-अपनी दुकानों को बंद कर दिया। इसके बाद दुकानदारों ने थाने का घेराव कर अपनी जान माल की सुरक्षा की मांग की। आदित्यपुर थाना प्रभारी राजन कुमार ने बाजार का निरीक्षण किया। दुकानदारों को आश्वस्त किया कि कोई भी दोषी बचेगा नहीं। दुकानदार निर्भिक होकर अपनी दुकानें खोलें। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने आरोपी शाहबाज सहित पांच को गिरफ्तार कर लिया है।

मौके पर तैनात पुलिस व बंद दुकानें। ● द फोटोन न्यूज

यात्री शेड में घुसा टैंकर, दो की मौत, कई घायल

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिला के बहरागोड़ा प्रखंड के बड़शोल थाना क्षेत्र के खंडामौदा में रविवार की सुबह बड़ा सड़क हादसा हुआ । इसमें दो लोगों की मौत हुई है जबकि कई अन्य घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को बेहतर इलाज के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज लाया गया है। मिली जानकारी के अनुसार एक अनियंत्रित टैकर यात्री शेड में घुस गया जिसकी वजह से वहां बैठे कई लोग चपेट में आ गया।

पत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टैंकर की रफ्तार इतनी तेज थी की टक्कर के साथ ही पूरा यात्री शेड गिर गया और शेड में बैठे लोग इस दुर्घना के शिकार हो गए। घटना की सूचना पर पूर्व स्वास्थ्य मंत्री दिनेश षाडंगी पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। साथ ही थाना प्रभारी को सभी चौक चौराहों पर बैरिकेडिंग लगाने की सलाह दी।

स्थानीय लोगों ने बताया कि अलकातरा लदा टैंकर सुबह सुबह तेज रफ्तार से आ रहा था। इस दौरान ड्राईवर ने अपना नियंत्रण खो दिया जिससे टैंकर यात्री शेड से जा टकराया। जिस समय घटना घटी शेड में बड़ी संख्या में यात्री बैठ कर बस का इंतजार कर रहे जो इस घटना के बाद टैंकर व शेड के दीवारों के नीचे नीचे आ गए।

इधर घटना स्थल पर पुलिस पहुंच गई है और मलबा हटाने का काम चल रहा ।. मलबा हटाने के बाद नीचे दबे लोगों का स्थिति स्पष्ट हो सकती है कि कितने यात्री शेड के नीचे बैठे थे जो मलबे में दबे हैं। घटना के बाद टैंकर चालक फरार बताया जा रहा है।

क्या कहते हैं दुकानदार: दुकानदार प्रेम कुमार ने बताया कि बीती रात कादिम खान का पुत्र वस्त्रालय में पांच लड़कों के साथ भुजाली और पिस्तौल लेकर पहुंचा और दुकानदारों से रंगदारी की मांग की। हफ्ता नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी। जिसके विरोध में दिंदली बाजार के दुकानदार रविवार को दुकान बंद कर थाना पहुंचे और लिखित शिकायत करते हुए थाना प्रभारी राजन कुमार से सुरक्षा की मांग की। वहीं थाना प्रभारी ने दुकानदारों को आश्वस्त किया कि वे निर्भिक होकर अपनी दुकान चलाएं। पुलिस सभी को सुरक्षा प्रदान करेगी।

BRIEF NEWS

केयू ने बीएड व एमएड प्रथम सेमेस्टर के परीक्षा फार्म भरने की तिथि घोषित की

JAMSHEDPUR : कोल्हान विश्वविद्यालय (केयू) ने बीएड और एमएड (सत्र 2022-24) प्रथम सत्र के विद्यार्थियों के लिए परीक्षा फार्म भरने की तिथि घोषित कर दी है। विश्वविद्यालय की अधिसूचना के मुताबिक बीएड और एमएड प्रथम सत्र का परीक्षा फार्म 27 जून से भरा जायेगा, जिसकी अंतिम तिथि 7 जुलाई है। उसके बाद 8 से 15 जुलाई तक विलंब शुल्क के साथ परीक्षा फार्म भरा जा सकेगा। बीएड और एमएड दोनों के ही विद्यार्थी 200 रुपए विलंब शुल्क के साथ परीक्षा फार्म भर सकेंगे। बीएड के विद्यार्थियों का परीक्षा शुल्क 850 रुपये तथा एमएड के विद्यार्थियों के लिए यह शुल्क 1550 रुपए निर्धारित किया गया है। विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन परीक्षा फार्म भरने का निर्देश दिया गया है।

विधायक फंड से हो रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की सही ढंग से अधिकारी करें जांच : डीडीसी

अधिकारियों संग बैठक करते उप विकास आयुक्त। ● द फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : उप विकास आयुक्त मनीष कुमार द्वारा सभी 6 विधानसभा क्षेत्रों में संचालित विधायक मद की योजनाओं की समीक्षा रविवार को समाहरणालय में की। बैठक में वित्तीय वर्ष 2020-21, 2021-22, 2022-23 में स्वीकृत योजनाओं में अब तक की प्रगति की विधानसभावार चर्चा की गई। वहीं लंबित योजनाओं को निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने का निदेश दिया गया। उप विकास आयुक्त ने कहा कि विधायकगण द्वारा अनुशंसित योजनाओं में क्षेत्र के विकास की सम्पूर्ण रूपरेखा होती है, जनसमस्याओं से सम्बंधित योजनाओं का ससमय क्रियान्वयन किया जाना जरूरी है। स्कूल में कमरा निर्माण, बाउंड्रीवाल निर्माण, सड़क, नाला, सामुदायिक भवन, पंचायत भवन, गोदाम आदि से सम्बंधित योजनाओं पर किए गए निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर भी चर्चा की गई। सम्बन्धित निर्माण एजेंसी द्वारा पूर्ण योजनाओं का रिपोर्ट तथा लम्बित योजनाओं में अधतन प्रगति रिपोर्ट मांगा गया। बैठक में निदेशक डीआरडीए सौरभ सिन्हा, निदेशक एनईपी ज्योत्स्ना सिंह, एसओ जेएनएसी संजय कुमार, डीपीओ अरुण द्विवेदी, डीपीआरओ डॉ रजनीकान्त मिश्रा, कार्यपालक पदाधिकारी मानगो नगर निगम सुरेश यादव, विशेष कार्य प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता कृष्ण मुरारी, भवन, एनआरईपी तथा अन्य तकनीकी विभागों के सहायक व कनीय अभियंता मौजूद रहे।

एक हजार बाइक के साथ गांव से लेकर शहर तक आदिवासी युवा संगठन की रैली 30 जून को

JAMSHEDPUR : बिष्टुपुर स्थित निर्मल भवन में रविवार को आदिवासी युवा संगठन की बैठक हुई. इसका उद्देश्य आगामी 30 जून को आदिवासी युवा संगठन के द्वारा 1000 बाईक रैली निकाल कर शहीदों के प्रतिमाओं पर माल्यार्पण करना है. इसके लिए रूट का निर्धारण किया गया है. यह रैली खुखराडीह से आरम्भ होगी, जहां सिद्धू कानू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर रैली की शुरूआत की जाएगी. उसके बाद रैली सुन्दरनगर, करनडीह होते हुए टाटानगर स्टेशन चौक पहुंचेगी. फिर जुगसलाई होते हुए बिष्टुपुर, साकथी और फिर बिरसा चौक पर माल्यापर्णण के उपरान्त गोलमुरी होते हुए एग्रिको सिग्नल से बारीडीह, बिरसानगर में भगवान बिरसा मुण्डा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सभा करने के उपरान्त रैली का समापन किया जाएगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि यह एक समाजिक रैली होगी. इसमें आदिवासी समाज के अगुवा माझी परगना, मानकी, मुंडा, डोकलो सोहोर व अन्य आदिवासी समुदाय के लोग पारम्पारीक वेशभूषा में रैली में शामिल होकर अनुशासन के साथ रैली का आयोजन एंव समापन करेंगें. बैठक में मुख्य रूप सें हरिराम टुडु, अरूण मुर्मू, सुकरा हो, संजीव मुर्मू, विकास हेमब्रम, दिनकर कच्छप, निर्मल किस्कू , सागेन बेसरा, भीमसेन मुर्मू, छोटू सोरेन, लाल बाबू मार्डी, आनन्द बेसरा, मार्शल मुर्मू, मानस सरदार, सनातन हेम्ब्रम, बलराम कर्मकार, राजा राम मुर्मू, सुरेश हेम्ब्रम, सुनील हेम्ब्रम एवं कल्याण मुख्य रूप से उपस्थित थे।

जमशेदपुर : फिल्म आदि विद्रोही को मिला श्रेष्ठ फिल्म का स्पेशल ज्यूरी अवॉर्ड

JAMSHEDPUR : चित्रपट झारखंड फिल्म फेस्टिवल 2023 में फिल्मकार जितेंद्र ज्योतिषी द्वारा निर्मित फिल्म ह्यआदि विद्रोहीह्ल को श्रेष्ठ फिल्म के लिए स्पेशल ज्यूरी अवार्ड से सम्मानित किया गया. फिल्मकार जितेंद्र ज्योतिषी को पद्मश्री मुकुंद नायक ने अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया. चित्रपट झारखंड फिल्म फेस्टिवल 2023 का आयोजन रांची के टाटीसिल्वे स्थित सरला-बिरला यूनिवर्सिटी सभागार में आयोजित किया गया था. इस अवसर पर फिल्म ह्लआदि विद्रोहीह्ल के निर्माण से जुड़े पिंकी विश्वकर्मा, प्रदीप विश्वकर्मा, नम्रता राज सहित अन्य मौजूद थे. दूसरी ओर चित्रपट झारखंड फिल्म फेस्टिवल समारोह में उत्कृष्ट फिल्म निर्माण के लिए सम्मानित किए जाने पर उनके शुभचिंतकों सहित जेजेडब्ल्यूए की ओर से भी बधाई व शुभकामनाएं दी गई।

भाजयुमो मंडल में नव मतदाता सम्मेलन आयोजित

JAMSHEDPUR : भारतीय जनता युवा मोर्चा पूर्वी सिंहभूम के घाटशिला मंडल ने रविवार को नव मतदाता सम्मेलन का आयोजन किया. सम्मेलन की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष मंटू प्रजापति ने की. भाजयुमो के जिला अध्यक्ष रंगलाल महतो मुख्य रूप से उपस्थित थे. नव मतदाता सम्मेलन में जिला अध्यक्ष रंगलाल महतो ने कहा की हमारा देश युवाओं की सोच को लेकर चलने वाला देश है. हमारा देश सबसे बड़ा लोकतांत्रिक प्रक्रिया से चलने वाला देश है. जहां मतदान का महत्व सबसे अधिक है. वर्ष 2014 के बाद से युवाओं ने जिस प्रकार से जोश के साथ राष्ट्र और देश के लिए समर्पित सरकार के प्रति मतदान किया है और आने वाले समय में ये जोश और बढ़ने वाला है। मंडल अध्यक्ष मंटू प्रजापति ने कहा कि चुनाव में प्रत्येक मतदाता अपनी इच्छानुसार अपने मत (वोट) का प्रयोग करके इच्छित व्यक्ति को चुनाव कर सकता है और अनिच्छित को पराजित करके सत्ता से हटा सकता है. इस प्रकार लोकतंत्र में मतदान और चुनाव का अधिकार होने के कारण प्रत्येक नागरिक परोक्ष रूप से सत्ता और शासन के संचालन में भागीदारी भी निभाया करता है. मौके पर मुख्य रूप से सूरज प्रजापति, सिमोन मुर्मू, राधे श्याम कुमार, अजीत हांसदा, सूरज कुमार और भी कई युवा साथी मौजूद थे।

कलाकार स्वप्न तिवारी के निधन से संगीत प्रेमियों में शोक, कलाकारों ने जताया दुःख

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: लौहनगरी के दिग्गज कलाकार स्वप्न तिवारी (49) के हृदय गति रूक जाने से उनका निधन हो गया। उनके निधन से पूरे जमशेदपुर समेत, झारखंड, बिहार, बंगाल, उड़ीसा के कलाकारों में शोक की लहर है।

रविवार की सुबह टाटा मेन अस्पताल में इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार दोपहर 1 बजे भूईयाँडीह स्थित स्वर्णरेखा बर्निंग घाट पर किया गया। इससे पहले उनके पार्थिव शरीर को गोविंदपुर स्थित उनके निवास स्थान से अंतिम संस्कार के लिए स्वर्णरेखा बर्निंग घाट लाया गया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में उनके चाहने वाले संगीत प्रेमी उनकी एक झलक देखने के लिए बेताब थे। उनके अंतिम संस्कार में शहर के तमाम कला व संगीत जगत के दिग्गज शामिल हुए। इसके अलावे कई सामाजिक संगठन के लोग भी शामिल हुए।

इससे पहले शनिवार शाम साकची स्थित मोती लाल पब्लिक स्कूल में एक एक सांस्कृतिक

स्वप्न तिवारी की फाईल फोटो।

कार्यक्रम में भाग लिया था। शहर के संगीत गुरु अनिल कुमार सिंह ने बताया कि शनिवार को शाम तक वे बिल्कुल नॉर्मल थे। कार्यक्रम के बाद वो अपने घर पर आराम कर रहे थे, तभी देर रात 12 बजे के आसपास उनकी छाती में दर्द हुआ, उसके बाद आनन फानन में उन्हें टाटा मोटर्स अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिर उन्हें अस्पताल के रेफर के बाद टाटा मेन अस्पताल में लाया गया। जहां उनकी इलाज के दौरान हृदय गति रूक जाने से मृत्यु हो गई।

शहर के गजल गायक सूजन दा ने बताया कि वो अपने पीछे पत्नी, एक बेटी और वृद्ध पिता को छोड़ गए है। उन्होंने बताया कि स्वप्न तिवारी कुशल कला के धनी के होने के साथ नम्र व्यवहार के लिए जाने जाते थे। वे वर्तमान में संगीत टीचर के रूप में कदमा केपीएस स्कूल में कार्यरत थे। उनके निधन से संगीत का बहुत बड़ा नुकसान हुआ है। संगीत के क्षेत्र में उनकी भरपाई करना मुश्किल है।

अबतक हजार से ज्यादा बड़े -बड़े म्यूजिक शो में की बोर्ड बजाने वाले स्वप्न तिवारी को बॉलीवुड के दिग्गज गायक अनुराधा पौड़वाल, बिनोद राठौर, मो. अजीज के साथ भी काम कर चुके है।

लंदन, केन्या, डूबई और मॉरिसश में कर चुके है शो

शहर के तबला वादक बाप्पी ने बताया कि स्वप्न तिवारी को जानने केवल देश में ही नहीं थे बल्कि विदेशों में भी थे। उन्होंने बताया कि स्वप्न तिवारी बचपन से ही संगीत से जुड़ गए थे। अपने 35 वर्ष के संगीत करियर में लंदन, केन्या, डूबई और मॉरिसश आदि देशों में भी की बोर्ड प्लेयर के रूप में पहचान बनाई थी।

वीमेंस यूनिवर्सिटी में पीएचडी के लिए 90 छात्राओं ने दी परीक्षा, 32 रहीं अनुपस्थित

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी रिसर्च एंट्रेंस टेस्ट (जेडब्ल्यूयूआरइटी) रविवार को आयोजित हुआ। इसमें कुल 122 अभ्यर्थियों में से 90 परीक्षा के लिए उपस्थित हुईं एवं 32 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहीं। परीक्षा कदाचारमुक्त व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। यह परीक्षा यूनिवर्सिटी द्वारा शोध के लिए रखे गए सभी 12 विषयों। वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, हिन्दी, गृह विज्ञान, संगीत, उड़िया, राजनीति विज्ञान, उर्दू एवं वाणिज्य में पीएचडी के लिए आयोजित किया गया। लेकिन पहले ही परीक्षा में छात्राओं की कम उपस्थिति ने विवि के योजनाओं पर सवाल खड़ा कर दिया है। जहां पीएचडी के लिए दूसरे विवि में मारा मारी होती है वहीं वीमेंस यूनिवर्सिटी में निर्धारित कुल सीटों से भी कम पहले आवेदन भरे गए उसके बाद प्रवेश परीक्षा में भी करीब 19 प्रतिशत परीक्षार्थी अनुपस्थित थे।

मिली जानकारी के अनुसार विवि में शोध के लिए 100 से

परीक्षा देती छात्राएं। ● द फोटोन न्यूज

अधिक सीटें रिक्त हैं। वहीं इस प्रवेश परीक्षा के सफलतापूर्वक संपन्न होने पर कुलपति ने कहा कि शोध के बिना उच्च शिक्षा की कल्पना नहीं की जा सकती और जब महिलाओं के भागीदारी की बात आती है तो पता चलता है कि शोध के क्षेत्र में अभी भी बहुत किया जाना शेष है

हाल ही में राज्य सभा में दिए गए बयान में भारत सरकार ने बताया है कि पूरे भारत में 56,747 महिला शोधार्थियों के साथ शोध में ह्यआधी आबादीह्ल की भागीदारी महज 16.6 प्रतिशत ही है। साथ ही, यह भी स्पष्ट किया कि कई उन्नत देशों से यह बहुत ही कम है। 22 जून को यूनिवर्सिटी के कार्यात्मक स्वरूप और मेरी नियुक्ति के लगभग एक वर्ष पूर्ण होने के तुरंत बाद आज प्रथम शोध प्रवेश परीक्षा संपन्न हो गई। इस कदम से यूनिवर्सिटी ने शोध के लिए मंच प्रदान करना प्रारंभ कर दिया, जिससे उच्च शिक्षा में नामांकित झारखंड की महिलायें शोध की ओर अग्रसर हो पाएंगी। शीघ्र ही यूनिवर्सिटी शोध के केंद्र के रूप में विकसित हो यह मेरी प्राथमिकता है।

बाबा बैद्यनाथ सेवा संघ का बोल बम के नारों के साथ कदमा में हुआ पोस्टर का विमोचन

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: बाबा बैद्यनाथ सेवा संघ के द्वारा आयोजित निशुल्क कांवर यात्रा को लेकर कदमा के रंकनी मंदिर में एक पोस्टर रिलीज किया गया। इस अवसर पर संघ के संस्थापक विकास सिंह ने बताया कि भक्तों तक इस भक्ति यात्रा की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक हो , इसके लिए पोस्टर को जारी किया। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर यात्रा में जाने वाले इच्छुक शिव भक्तों से भो मिले।

उन्होंने बताया कि पोस्टर लौंच से पहले रंकनी मंदिर में माता रंकनी की पूजा आराधना कर बोल बम के नारों के साथ विधिवत पूजा किया गया। विकास सिंह ने बताया कि आगामी 16

पोस्टर का विमोचन करते बाबा बैद्यनाथ सेवा संघ के सदस्य। ● द फोटोन न्यूज

जुलाई को कदमा सोनारी, और मानगो के कुल 1000 कांवरियों का जत्था निशुल्क बस छोटी ,गाड़ी और ट्रेन के माध्यम से सुल्तानगंज रवाना होंगे।

विकास सिंह ने कहा प्रत्येक वर्ष सोनारी और कदमा के लोग जाने के लिए संपर्क करते थे लेकिन साधन और सुविधा कम रहने के कारण उन्हें ले जाने में असमर्थता रहती थी, इस वर्ष तीन माह पूर्व से ही संघ के द्वारा कार्यक्रम की तैयारी की जा रही है। जिसके संदर्भ में सुल्तानगंज से लेकर देवघर के बीच में पड़ने वाले सारे धर्मशालाएं आवश्यकतानुसार आरक्षित कर लिए गए है । कदमा, सोनारी के वैसे लोग जिसे बाबा नगरी सुल्तानगंज के उत्तरवाहिनी गंगा से जल लेकर बाबा नगरी देवघर जाने की इच्छा है, लेकिन किसी ना किसी कारण से वें नहीं जा पा रहे हैं वैसे लोगों को चयनित कर संघ इस बार अपने संसाधनों के साथ सुल्तानगंज लेकर जाएगा कदमा सोनारी के लिए अरविंद महतो को कार्यक्रम का संयोजक बनाया गया है। कदमा के रंकनी मंदिर में पूरे विधि विधान से पूजा करके बोल बम के नारे के साथ पोस्टर का विमोचन हुआ। जिसमें मुख्य रुप से विकास सिंह, अरविंद महतो, किशोर बर्मन, चितरंजन वर्मा, के पी सिंह, भीम सिंह, सुभाष सिंह, गणेश मछुआ, बलवीर कुमार, शिव कुमार राय, शिवराज सिंह, सुरेश पटनायक, अमित कुमार दास, दिलीप कुमार, रामजतन कालिंदी, साहेब कुमार, आशीष मछुआ, रोहित कालिंदी, मनोज ओझा, राम सिंह कुशवाहा अजय लोहार, महेंद्र कालिंदी, राजवीर सिंह मुख्य रूप से उपस्थित थे ।

विधायक सरयू राय ने जुस्को के प्रबंध निदेशक को लिखा पत्र

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने रविवार को केबुल बस्ती एवं केबुल टाऊन के सभी घरों में बिजली का अलग कनेक्शन देने के संबंध में टाटा स्टील युटिलिटीज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विसेस लिमिटेड के प्रबंध निदेशक को एक पत्र लिखा है। पत्र के माध्यम से उन्होंने उक्त विषय को लेकर विगत 2 वर्षों से वो लगातार प्रयासरत हूं। हालांकि अभी तक सफलता नहीं मिली। उन्होंने बताया कि दो दिन पूर्व इस बारे में आपसे दूरभाष पर बात भी हुई थी।

विधायक ने बताया कि चार महीना पहले प्रबंध निदेशक (आपने) जानकारी दिया था कि इकैब इंडस्ट्री के आर.पी से इसे बारे में एन.ओ.सी.मांगा गया है। फिर सूचित किया गया कि आर.पी.ने एन.ओ.सी.देने से इंकार कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि वे एन.ओ.सी के लिए टाटा स्टील युटिलिटीज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विसेस लिमिटेड द्वारा आर.पी को भेजा गया अनुरोध पत्र, इसके साथ संलग्न एन.ओ.सी.का ड्राफ्ट तथा आर.पी द्वारा सहमति नहीं देने संबंधी भेजे गये पत्र को देखने का अवसर मुझे मिला है।इस अवसर पर उन्होंने प्रबंध निदेशक को इस सबंध में निम्नांकित बिन्दुओं पर ध्यान आकृष्ट कराया।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में सात दिवसीय योग एवं मेडिटेशन शिविर का पांचवां दिन

ब्रह्माकुमारीज में चल रहे स्वास्थ्य जांच शिविर का लोगों ने उठाया लाभ

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: सोनारी के मैरीन ड्राइव स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में चल रहे सात दिवसीय योग एवं मेडिटेशन शिविर का पांचवा दिन बीके डॉ. राजेश ने बताया कि लोगों को अपने जीवन योग को आवश्यक रूप से दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। ऐसा करने से किसी प्रकार की बीमारी नहीं होगी।

उन्होंने बताया कि हमारा भौतिक शरीर पांच तत्वों से बना होता है जिसकी देख रेख और संभाल कर उनसे काम लेना होता है । उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि हम लोग अपनी कोई

स्वास्थ्य जांच शिविर में योगा करते लोग। ● द फोटोन न्यूज

शिविर में महिला की स्वास्थ्य जांच करते डॉक्टर। ● द फोटोन न्यूज

भी वाहन को उसकी देख रख,संभाल नहीं करेंगे ,मिसयूज करेंगे तो उसका जीवन काल लंबा नहीं होता । उसी प्रकार शरीर रूपी गाड़ी को भी नियमित दिनचर्या के अन्तर्गत काम लेना होता है ।सही समय पर भोजन करना, सही समय पर निद्रा करना, नियमित व्यायाम करना चाहिए। योग अभ्यास के बाद शिविर में सुबह 7:30 निशुल्क स्वास्थ्य जांच हुआ।

स्वास्थ्य शिविर ब्रह्माकुमारीज के मेडिकल बॉडी और रोटरी क्लब के सहयोग से संचालित हुआ। जिसमें शहर के हर क्षेत्र के लोग भारी संख्या में आकर लाभ लिया ।शिविर में ब्लड प्रेशर चेक अप ,बॉडी मास इंडेक्स, ब्लड शुगर जांच के साथ चिकित्सकीय सलाह भी दी गई। इसमें भाग लेने वाले डॉ अनिल कुमार, डॉ एन सी सिंघल , डॉ नीना गुप्ता, डॉ राजीव भूषण सिंह, डॉ सौरव चैटर्जी , डॉ राजेश एवं डॉ पीयूष रंजन शामिल थे । ब्रह्माकुमारीज के कोल्हान क्षेत्र की प्रमुख बी के अंजू दीदी ने बताया कि ब्रह्माकुमारीज आध्यात्मिक संस्था होने के साथ सामाजिक सेवा भी करती है और आगे भी समय प्रति समय योग शिविर, ब्लड डोनेशन कैंप, स्वास्थ्य जांच शिविर , एक्युप्रेशर कैंप जैसे कार्यक्रम नियमित रूप से चलते रहे उसके लिए ब्रह्माकुमारीज की लोकल मेडिकल बॉडी का गठन भी किया गया है ।

पैदा हों भारत में नंदन नीलेकणि जैसे दानवीर

इंफोसिस टेक्नोलॉजीज के सह संस्थापक नंदन नीलेकणि ने देश के धन कुबेरों के समक्ष एक अद्भुत मिसाल कायम की है। उन्होंने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) बॉम्बे को 315 करोड़ रुपये दान कर दिए हैं। ये भारत में किसी भी पूर्व छात्र की ओर से अपने इंस्टीट्यूट या कॉलेज को किया गया सबसे बड़ा दान है। इससे पहले भी, उन्होंने आईआईटी बॉम्बे को 85 करोड़ रुपये दान किया था। यानी अब तक वो आईआईटी बॉम्बे को 400 करोड़ रुपये का दान कर चुके हैं। वे इसी संस्थान के छात्र रहे हैं। दरअसल देश के विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्लायों के सफल छात्रों को अपने शिक्षण संस्थानों की आर्थिक मदद करनी भी चाहिए। इन संस्थानों को सरकार की मदद के सहारे पर नहीं छोड़ा जा सकता है। सरकार की अपनी सीमाएं हैं। अमेरिका में पूर्व छात्र अपने कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की भरपूर मदद करते हैं। पूर्व छात्रों की मदद से ही उनके शिक्षण संस्थानों में रिसर्च और दूसरी सुविधाएं बढ़ाई जा सकती हैं। आगे बढ़ने से पहले बता दें कि नीलकेणी की सबसे बड़ी कामयाबी आधार कार्ड है। देश के हर नागरिक को एक विशिष्ठ पहचान संख्या या यूनिक आइडेंटीफिकेशन नम्बर को उपलब्ध करवाने की योजना को उन्होंने ही सफलतापूर्वक लागू करवाया । तो हम पहले बात कर रहे थे कि समाज के सफल लोगों, जिनमें उद्यमी, कारोबारी, नौकरशाह आदि शामिल हैं, को उन शिक्षा के मंदिरों का साथ देना चाहिए जहां से वे पढ़े हैं और आज सफल उद्यमियों में शुमार हैं। देखिए, नंदन नीलेकणि सिर्फ मुनाफा कमाने वाले उद्यमियों में से नहीं हैं। वे बार-बार साबित करते हैं कि वे अलग तरह के उद्यमी हैं। भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के आईटी सेक्टर में अपनी खास पहचान रखने वाली इंफोसिस टेक्नोलॉजी ने अपनी स्थापना के 30 साल पूरे होने का जश्न मनाते हुए अपने हजारों कर्मियों को ई-सॉप्स के तोहफे से नवाजा था। कंपनी के कर्मियों को उनके कार्यकाल के साल के आधार पर ई-सॉप्स दिया गया था। इंफोसिस ने ही देश में ई-सॉप्स की परम्परा चालू की थी। भारत के आईटी सेक्टर के पितृ पुरुष यानी एन.नारायणमूर्ति और नंदन नीलेकणि जैसी गजब की शख्सियतों के मार्गदर्शन में आईटी सेक्टर की सबसे सम्मानित बनी इस आईटी कंपनी ने ई-सॉप्स की शुरूआत की थी। कहने की जरूरत नहीं है कि इंफोसिस के इस फैसले से मुलाजिमों में मालिकाना हक की भावना पैदा हुई। तो बहुत साफ है नीलकेणी कुछ हटकर ही करते रहते हैं। इस बीच, सबको पता है कि भारत या भारत से बाहर जाकर बड़ी कामयाबी हासिल करने वालों में आईआईटी में पढ़े छात्रों की तादाद बहुत अधिक है। एन. नारायणमूर्ति खुद आईआईटी कानपुर से हैं। ट्वीटर के पूर्व सीईओ पराग अग्रवाल भी पढ़े हैं आईआईटी, मुंबई में। इसने देश-दुनिया को चोटी के सीईओ से लेकर इंजीनियर दिए हैं। आप नए उद्यमियों, खासतौर पर ई-कॉमर्स से जुडी बात करें, और सचिन बंसल और बिन्नी बंसल की चर्चा न करें ये तो नहीं हो सकता। इन दोनों ने फ्लिपकार्ट की स्थापना की थी। ये दोनों आईआईटी, दिल्ली में रहे। भारत में पहली आईआईटी की स्थापना कोलकाता के पास स्थित खड़गपुर में 1950 में हुई थी। भारत की संसद ने 15 सितंबर 1956 को आईआईटी एक्ट को मंजूरी देते हुए इसे ₹राष्ट्रीय महत्व के संस्थान₹ घोषित कर दिया। इसी तर्ज पर अन्य आईआईटी मुंबई (1958), मद्रास (1959), कानपुर (1959), तथा नई दिल्ली (1961) में स्थापित हुई। फिर गुवाहाटी में आईआईटी की स्थापना हुई। सन 2001 में रुड़की स्थित रुड़की विश्वविद्यालय को भी आईआईटी का दर्जा दिया गया। आईआईटी में पढ़े विद्यार्थी सारी दुनिया में छाए हुए हैं। ये सब मोटी पगार ले रहे हैं या फिर अपना बिजनेस करके खूब कमा रहे हैं। इन सबको भी अपनी आईआईटी के अलावा उन स्कूलों की भी मदद करनी चाहिए जहां से पढ़े हैं। ये याद रखा जाना चाहिए कि किसी भी इंसान की ज्ञान पाने की नींव तो उसके स्कूल में ही रखी जाती है। इसलिए स्कूलों के महत्व को समझा जाना चाहिए। हमें अपनी सभी कॉलेज और विश्वविद्यालयों को सेंट स्टीफंस कॉलेज,आईआईटी और आईआईएम के स्तर का बनाना होगा। इन्हें आधुनिक सुविधाओं से लैस करना होगा। हां, इस स्थिति तक पहुंचने के लिए चुनौती यह रहेगी कि इनमें बेहतरीन फैक्ल्टी की नियुक्ति हो। हमें उन अध्यापकों को प्रोत्साहित करना होगा जो अपने शिष्यों के प्रति समर्पण का भाव रखते हैं। अध्यापकों को अपने को लगातार अपडेट रखना होगा। आमतौर पर हमारे यहां बहुत से अध्यापक एक बार स्थायी नौकरी मिलने पर लिखते-पढ़ते नहीं हैं। नंदन नीलेकणि के बहाने बिल गेट्स की भी बात करने का मन कर रहा है। वे कॉलेज ड्राप आउट हैं। वे माइक्रोसॉफ्ट के निदेशक मंडल से इस्तीफा देकर पूरी तरह से मानव सेवा में लग गए हैं। याद रख लें कि पैसे वाले तो हर काल में रहे हैं। लेकिन, गेट्स सारी दुनिया के लिए उदाहरण पेश करते हैं। बिल गेट्स का फोकस स्वास्थ्य, विकास और शिक्षा जैसे सामाजिक और परोपकारी कार्यों पर रहता है। वे विश्व से गरीबी और निरक्षरता खत्म करने का ख्वाब देखते हैं। नीलेकणि ने एक तरह से भारत के धनी समाज को परोपकार करने के लिए प्रेरित किया है। अन्य धनी लोगों को शिक्षा के प्रसार-प्रसार के अलावा नए अस्पतालों के निर्माण या पहले से चल रहे अस्पतालों के आधुनिकीरण के लिए धन देने से पीछे नहीं रहना चाहिए। टाटा समूह के सहयोग से प्रख्यात दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (डी स्कूल) में रतन टाटा लाइब्रेयरी स्थापित की गई थी। इसे अर्थशास्त्र और संबंधित विषयों में अध्ययन और अनुसंधान के लिए आदर्श लाइब्रेरी माना जाता है।

सत्तारोहण की चाहत का मिलन चातुर्य

ANALYSIS

✍ सियाराम पांडेय 'शांत'

एक ओर भारतीय जनता पार्टी ने जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस राष्ट्रीय स्तर पर मनाय । एक देश, एक निशान, एक संविधान के उनके विचारों को याद किया, वहीं दूसरी ओर बिहार की राजधानी पटना को एक बार फिर राजनीतिक आंदोलन का गढ़ बनाने की कवायद हुई। लिट्टी-चोखा,गुलाब जामुन, जलेबी के लुत्फ के बीच देश के 15 दलों के कुल जमा 30 नेताओं ने भाजपा को शिकस्त देने का संकल्प लिया। देश में अघोषित आपातकाल होने का रोना रोया और घोषित आपातकाल लगाने वाली इंदिरा गांधी के पौत्र राहुल गांधी से दूल्हा बनने की अपील की। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद की बिना दूल्हे की बारात वाली राजनीतिक टिप्पणी पर दरअसल यह मसखरी अंदाज वाला लालुई जवाब था लेकिन प्रधानमंत्री पद की हसरत पाले विपक्ष के तमाम नेताओं को महत्वाकांक्षा के सातवें आसमान से जमीन पर लाने का एक प्रयास भी था। लालू प्रसाद यादव कब चाहेंगे कि राजनीति में नीतीश कुमार का रुतबा इतना बढ़ जाए कि वह उनके परिवार के लिए भस्मासुर बन जाएं।

23 जून, 2023 की तारीख भारतीय राजनीति में कई मामलों में बेहद खास रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत और अमेरिका ही नहीं, दुनिया के 135 देशों को साधने का योग करते रहे। दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र अमेरिका और सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत को मैत्री संबंधों में बांधने का मनोयोग करते रहे। इस बहाने दुनिया को सुंदर भविष्य और भविष्य को सुंदर दुनिया देने की अपनी मंशा का इजहार करते रहे। हालांकि यह सिलसिला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस वाले दिन से ही शुरू हो गया था और उनकी मिस्र यात्रा की समाप्ति तक उनकी इन कोशिशों में कमी नहीं आने वाली। एक ओर भारतीय जनता पार्टी ने जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस राष्ट्रीय स्तर पर मनाय । एक देश, एक निशान, एक संविधान के उनके विचारों को याद किया, वहीं दूसरी ओर बिहार की राजधानी पटना को एक बार फिर राजनीतिक आंदोलन का गढ़ बनाने की कवायद हुई। लिट्टी-चोखा,गुलाब जामुन, जलेबी के लुत्फ के बीच देश के 15 दलों के कुल जमा 30 नेताओं ने भाजपा को शिकस्त देने का संकल्प लिया। देश में अघोषित आपातकाल होने का रोना रोया और घोषित आपातकाल लगाने वाली इंदिरा गांधी के पौत्र राहुल गांधी से दूल्हा बनने की अपील की। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद की बिना दूल्हे की बारात वाली राजनीतिक टिप्पणी पर दरअसल यह मसखरी अंदाज वाला लालुई जवाब था लेकिन प्रधानमंत्री पद की हसरत पाले विपक्ष के तमाम नेताओं को महत्वाकांक्षा के सातवें आसमान से जमीन पर लाने का एक प्रयास भी था।लालू प्रसाद यादव कब चाहेंगे कि राजनीति में नीतीश कुमार का रुतबा इतना बढ़ जाए कि वह उनके परिवार के लिए भस्मासुर बन जाएं। वे ममता बनर्जी,अरविंद केजरीवाल पर भरोसा करें भी तो क्यों? उनके एक विरोध ने मुलायम सिंह यादव को प्रधानमंत्री बनने से रोक दिया था। ऐसे में अगर उन्होंने राहुल को शादी करने की सलाह दी है तो उसके अपने राजनीतिक निहितार्थ हैं। जिस लालू यादव ने आपातकाल में 20-22 माह की जेल यातना सही हो, जिसने आपातकाल के विरोध में अपनी एक बेटी का नाम मीसा रख दिया हो, वह लालू यादव इंदिरा परिवार के वंशज को अकारण आगे बढ़ाने का उपक्रम यूं ही तो नहीं करेंगे इसे भी समझने की जरूरत है। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी की मानें तो पटना में विपक्ष की बैठक का हासिल बस इतना रहा है कि हम साथ हैं, मिलकर लड़ेंगे। अगली बैठक शिमला में होगी। यह तो तय है कि यह बैठक प्रधानमंत्री मोदी की देश-विदेश में बढ़ती लोकप्रियता से खौफ खाकर ही हो रही है। ममता बनर्जी तो यहां तक कहती नजर आईं कि मोदी सरकार अगर फिर सत्तारूढ़ हो गई तो देश में चुनाव होंगे ही नहीं। रही बात साथ होने की तो पश्चिम बंगाल में कांग्रेस के रवैये की आलोचना कर उन्होंने बहुत कुछ सुस्पष्ट कर दिया है कि एक पैर चल रहा इधर-उधर, दूसरा किसी के साथ है। अध्यादेश मामले में अरविंद केजरीवाल को उमर अब्दुल्ला का जवाब या बैठक में शामिल होने के बाद प्रेस वार्ता से गायब होने की आम आदमी पार्टी के नेताओं की कवायद को साथ होने के मानक पर कितना खरा माना जाए। रही बात विपक्षी एकजुटता की तो कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी, राकांपा प्रमुख शरद पवार, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, दिल्ली के मुख्यमंत्री और आआपा संयोजक अरविंद केजरीवाल, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, राकांपा अध्यक्ष शरद पवार, जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती सहित कई विपक्षी नेता बैठक में शामिल तो हुए, उन्होंने परस्पर हाथ भी मिलाए लेकिन क्या दिल भी मिला पाए, विचारधारा के स्तर पर एक हो पाए, इसका जवाब अभी मिलना बाकी है। वैसे तो ये सारे नेता देश बचाने के लिए एकजुट हो रहे हैं लेकिन एक बड़ा सच यह भी है कि इनकी चिंता के केंद्र में अपनी परिवारवादी राजनीति का संरक्षण ही है। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती कह रही हैं कि वे गांधी के मुल्क को गोडसे का मुल्क नहीं बनने देंगी लेकिन कश्मीर में जिस तरह उनके परिवार ने अलगाववादी ताकतों के साथ नरमदिली का परिचय दिया है, वह विचारधारा क्या गांधी जी की विचारधारा के पास तक फटकती भी है। बैठक हो और पोस्टर न लगें तो वैसे भी बात नहीं बनती। पटना की धरती इसका अपवाद कैसे हो सकती थी? वहां पोस्टर भी लगे और मोहब्बत की दुकान भी सजी। हर सवाल जवाब का आकांक्षी होता है। हर क्रिया की प्रतिक्रिया होती है। भाजपा पर आरोप लगे, उसे तानाशाह बताया जाए, देशविरोधी कहा जाए तो उसे भी तो कुछ कहना ही था। हिसाब बराबर करने वाले कुछ पोस्टर उसने भी टांग दिए। पटना में मोदी विरोधी पोस्टरों के बीच परिवार बचाओ और ठग्स ऑफ इंडिया के बैनर-पोस्टर भी लहराने लगे। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने तो इस बैठक को फासीवादी, निरंकुश शासन के खिलाफ युद्ध घोष तक कह दिया। ऐसे में सपा प्रमुख अखिलेश यादव कब चुप रहने वाले थे। उन्होंने देश बचाने के लिए संघर्ष की बात कह डाली। ममता बनर्जी ने तो यहां तक कहा कि रक्त बहता है तो बहने दो। हम लड़ेंगे।देश को बचाने के लिए लड़ेंगे। वैसे भी पश्चिम बंगाल में रक्त संघर्ष के बिना कोई चुनाव होता ही नहीं। तो क्या इस बार का चुनाव खून-खराबे के बीच लड़ा जाएगा। भाजपा नेता अगर देश में आपातकाल थोपने वाली कांग्रेस से गलबहियां करने का विपक्ष पर आरोप लगा रहे हैं तो इसमें गलत क्या है? इस बैठक में शामिल उद्धव ठाकरे का महबूबा मुफ्ती और डी राजा के साथ बैठना तो यही बताता है कि यह विपक्ष का आपातकाल है। वह आपातकाल जिसमें न तो मयार्दा के लिए जगह होती है और न ही विचारधाराओं, सिद्धांतों और आदर्शों के लिए। उद्धव ठाकरे अगर अपने पिता बालासाहेब ठाकरे के अभिकथन पर गौर फरमाते तो वे कांग्रेस के पास जाना भी पसंद न करते। बाला साहेब ठाकरे ने अनेक अवसरों पर कहा था कि वह शिवसेना को कभी कांग्रेस नहीं बनने देंगे और जिस दिन कांग्रेस से हाथ मिलाना पड़े तो वह अपनी दुकान बंद कर देंगे। आज हालात यह है कि उनकी दुकान किसी और ने नहीं, बल्कि उनके बेटे ने ही बंद कर दी है। यह बैठक तस्वीर सत्र तो हो सकती है लेकिन एकता का वॉयस नहीं बन सकती । जिस तरह गुहार जुटाकर मार संभव नहीं है, उसी तरह स्वार्थों को सामने रखकर एकता संभव नहीं है। सांप और नेवले में दोस्ती संभव नहीं है लेकिन अगर पानी सिर से ऊपर बहने लगे तो दोनों थोड़े समय के लिए निर्वैर होकर एक ही डाल पर बसेरा जरूर कर लेते हैं । केर और बेर के संबंध वैसे भी कब निभते हैं। कांग्रेस, माकपा, तृणमूल सबके बीच छत्तीस के रिश्ते हैं। अपने राजनीतिक परिक्षेत्र में कोई किसी का प्रवेश नहीं चाहता फिर तालमेल बनेगा भी तो किस तरह? और अगर इन दलों के बड़े नेता आपसी तालमेल कर भी लें तो क्या यह उनके दल के जमीनी कार्यकताओं के साथ धोखा नहीं होगा? यह तो कुछ वही बात हुई कि दिल मिले न मिले हाथ मिलाते चलिए, अपना-अपना भ्रष्टाचार छिपाते चलिए। रही बात नीतीश की तो वे इतने नासमझ भी नहीं हैं कि हारे हुए और राजनीति के बियावान से लगभग गायब हो चुके लोकसभा चुनाव में एक-दो सीटों की ताकत रखने वाले सीपीआई, सीपीएम, सीपीआई एमएल, पीडीपी, नेशनल कांफ्रेंस, आआपा या शिव सेना उद्धव के भरोसे कोई बड़ा राजनीतिक विकल्प तैयार करें। खुद उनकी पार्टी जनता दल यूनाइटेड की यह स्थिति नहीं की वह अपने बल पर लोकसभा चुनाव में दस सीटें भी जीत सके। भाजपा के साथ गठबंधन में भले ही जदयू की सीटें बढ़ गई थीं लेकिन अपने बूते चुनाव लड़कर 2014 में उन्हें लोकसभा की सिर्फ दो सीटें ही मिली थीं। विपक्ष की बैठक में शामिल 15 में से अधिकांश दल भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे हुए हैं। सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई के भय से उनकी रात की नींद वैसे भी गायब है। डरा हुआ इंसान अपनी रक्षा तो कर नहीं पाता, देश की रक्षा क्या करेगा।

लेखक का हिन्दुस्थान समाचार से सम्बद्ध हैं।

नशा मुक्ति की दिशा में उठे बड़े कदम

आज पूरी दुनिया नशे के चंगुल में फंसी हुई है। दुनिया का कोई भी ऐसा देश नहीं है जहां के लोगों को नशे की लत नहीं लगी हो। भारत में तो स्थिति और भी बदतर हो रही है। यहां की बहुत बड़ी आबादी नशे की गिरफ्त में आ चुकी है। विशेषकर युवा वर्ग में बढ़ती नशाखोरी की प्रवृत्ति समाज व राष्ट्र के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। नशे की लत के कारण बहुत से नौजवानों का भविष्य बर्बाद हो चुका है। हमारे देश में नशा करने वाले युवा पीढ़ी के लोग अब चरस, हेरोइन, कोकीन,अफीम जैसा खतरनाक नशा करने लगे। देश भर में नशे का सामान बेचने वाले बड़े-बड़े नशा माफिया पनप गए हैं। जो स्कूलों, कॉलेजों में कम उम्र के नौजवानों को नशे का सामान बेचते हैं। घर से बाहर रहकर पढ़ने वाले बहुत से छात्र इन नशा माफियाओं के चंगुल में फंसकर नशे की लत के शिकार हो जाते हैं। जब तक उनके घर वालों को असलियत का पता चलता है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। नशीले पदार्थों के निवारण के लिए प्रत्येक वर्ष 26 जून को अंतरराष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस मनाया जाता हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपने एक प्रस्ताव में 7 दिसम्बर 1987 से इसे मनाने का निर्णय लिया था। इसका उद्देश्य लोगों को नशे की बुरी आदत से छुटकारा दिलाना तथा उन्हें नशे से होने वाले दुष्प्रभाव से बचाना हैं। यह अच्छी बात है कि इस दिन लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया जाता है। लोगों को सचेत किया जाता है, सावधान किया जाता है। मगर जब तक समाज व सरकार नशे को जड़ से समाप्त करने की दिशा में प्रभावी कार्रवाई नहीं करेगी तब तक नशे का व्यापार फैलता ही रहेगा। भारत में भी सरकार ने विभिन्न प्रकार के नशे के सामान की बिक्री पर रोक लगा रखी है। कई कानून भी बनाए हैं। मगर उन पर प्रभावी अमल नहीं हो पाता है। जिसके चलते खुलेआम नशे का कारोबार होता है। आज देश में कहीं से कोई भी व्यक्ति नशे का कोई भी सामान खरीद सकता है। उसे न कोई रोकने वाला है न कोई टोकने वाला है। नशे का सामान बेचने वाले सौदागर दिनों दिन धनवान होते जा रहे हैं। जिस कारण से उनका पुलिस व प्रशासन पर पूरा प्रभाव रहता है। जिसकी बदौलत वह शासन, प्रशासन से मिलकर सरेआम धड़ल्ले से अपना धंधा करते रहते हैं। नशे की प्रवृत्ति के खिलाफ हमारा समाज भी जागरुक नहीं है। नशे की लत के चलते पंजाब जैसा संपन्न प्रांत नशेड़ियों का प्रदेश कहलाने लगा था। वैसी ही स्थिति आज देश के अधिकांश प्रदेशों की हो रही है। नशे को लेकर पंजाब जब सुर्खियों में आया तो पूरे देश का ध्यान उस तरफ गया और वहां नशे के कारोबार पर कुछ हद तक अंकुश लग पाया। वैसा ही हमें पूरे देश में करना होगा तभी नशे की तरफ जा रही हमारी युवा पीढ़ी को भटकने से रोका जा सकेगा। कहते हैं कि नशा हर अपराध की जड़ होता है। नशेड़ी व्यक्ति कोई भी बुरे से बुरा काम करने से नहीं झिझकता सकता है। अधिकांश अपराध नशे की धुन में ही किए जाते हैं। बढ़ते नशे के प्रचलन को रोकने के लिए हमें सरकार के भरोसे ही नहीं रहना होगा। इसके लिए हमें स्वयं भी प्रयास करने होंगे। हमें देखना होगा कि हमारे परिवार का कोई सदस्य तो नशे की तरफ नहीं जा रहा है। यदि ऐसा है तो हमें समय रहते उस को नियंत्रित करना होगा। यदि सभी लोग ऐसा करने लगेंगे तो धीरे-धीरे नशे की प्रवृत्ति कम होती चली जाएगी और एक समय ऐसा आएगा जब हमारा समाज, हमारा क्षेत्र, हमारा प्रदेश, हमारा देश नशा मुक्त बन सकेगा। ड्रग्स और अपराध पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनओडीसी) की विश्व ड्रग रिपोर्ट 2022 का अनुमान है कि दुनिया भर में 15-64 आयु वर्ग के लगभग 28.4 करोड़ लोगों ने मादक पदार्थों (ड्रग्स) का सेवन किया था। यह पिछले दशक की तुलना में 26 प्रतिशत अधिक है। हालांकि वैश्विक स्तर पर मादक पदार्थों का सेवन करने वाली महिलाओं की संख्या कम है। इसके बावजूद महिलाओं में मादक पदार्थों के सेवन में वृद्धि दर पुरुषों की तुलना में अधिक है। अवैध मादक पदार्थों पर निर्भर अर्थव्यवस्थाएं मुख्यतः कमजोर कानून व्यवस्था वाले देशों में फल-फूल सकती हैं। इससे देश में संघर्ष की स्थिति पैदा हो सकती है। मध्य-पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशिया में संघर्ष की स्थिति सिंथेटिक मादक पदार्थों के निर्माण के लिए प्रेरक के रूप में कार्य करती है। कोका की गैरकानूनी खेती के लिए वनों की कटाई की जाती है। इसके अलावा सिंथेटिक मादक पदार्थों के निर्माण के दौरान अत्यधिक मात्रा में अपशिष्ट पैदा होता है। ऐसे अपशिष्ट के कारण प्रत्यक्ष रूप से मृदा, जल और वायु पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। साथ ही इससे अप्रत्यक्ष रूप से सजीव प्राणी और खाद्य शृंखलाएं भी प्रभावित होती हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार भारत उपभोगकताओं के मामले में दुनिया के सबसे बड़े अफीम बाजारों में से एक है। साथ ही यहां इसकी आपूर्ति बढ़ने की भी संभावना है। इससे गैरकानूनी व्यापार और इससे जुड़े संगठित अपराधों के स्तर में बढ़ोतरी हो सकती है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि भारत में युवा इस खतरे से सबसे अधिक प्रभावित हैं। भारत में जब्त की गई सभी अवैध दवाओं में से 60 प्रतिशत से अधिक पंजाब से हैं। एक अध्ययन के अनुसार अधिकांश नशेड़ी 15 से 35 वर्ष की आयु के बीच हैं और कई बेरोजगार हैं। नशीली दवाओं का दुरुपयोग समाज को प्रभावित करने वाला एक गंभीर खतरा है। नशीली दवाओं की लत से अनजाने में चोट लगने, दुर्घटनाएं, घरेलू हिंसा की घटनाएं, चिकित्सा समस्याएं और मृत्यु का उच्च जोखिम होता है। नशीली दवाओं का सेवन करने वालों की आर्थिक क्षमता बुरी तरह प्रभावित होती है। नशीली दवाओं पर निर्भरता से आत्म-सम्मान में भी कमी आती है।

Social Media Corner

सच के हक में...

परमवीर चक्र से सम्मानित मनोज कुमार पांडे जी ने कारगिल युद्ध में अद्भुत साहस का परिचय दिया। उनके शौर्य से युवाओं को प्रेरित करने हेतु मोदी जी ने अंडमान-निकोबार के एक द्वीप का नाम उनके नाम पर किया है। मातृभूमि की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले ऐसे वीर को उनकी जयंती पर नमन।

(गृह मंत्री अमित शाह के ट्विटर अकाउंट से)

30 मई 2009 को शोपियां, कश्मीर में दो लड़कियां आसिया जान और नीलोफर एक नदी में मृत पाई गई थीं। इस घटना के बाद देश भर में कांग्रेस-लिबरल इकोसिस्टम द्वारा देश के सुरक्षाकर्मियों पर बलात्कार और हत्या का आरोप लगाया गया। भारत तोड़ो गैंग द्वारा अगले 42 दिनों तक कश्मीर को ठप्प करके एक तरह से बंधक बनाया गया। अब सीबीआई की जांच से खुलासा हुआ है कि दोनों लड़कियों की मौत डूबने से हुई है। डॉ. बिलाल अहमद और डॉ. निघत चिल्लू ने साल 2009 में पाकिस्तान के इशारे पर बलात्कार और हत्या की झूठी पोस्टमार्टम रिपोर्ट बनायी। टुकड़े-टुकड़े गैंग, कांग्रेस इकोसिस्टम और गोदी मीडिया ने इस आग को भरपूर हवा दी ताकि आम कश्मीरियों में भारत के खिलाफ जहर भरा जा सके।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

अब दोहरे मोर्चे पर उलझे पुतिन

रूस में सैन्य विद्रोह हो गया। यह तथ्य अर्द्धसत्य हो सकता है। इसलिए कि विद्रोही 'वैगनर' लड़ाके रूस के पूर्णरूपेण सैनिक नहीं हैं। 'वैगनर' प्राइवेट आर्मी है। खास बात यह कि यूक्रेन युद्ध में यह रूस की ओर से मोर्चे पर थी। इसका चीफ येवगेनी प्रिगोझिन है। वह राष्ट्रपति पुतिन का नजदीकी रहा है। उसे उनका रसोइया भी कहा जाता है। रसोइया ही अब जान का दुश्मन बन गया। उसे नाटकीय ढंग से मनाया गया। 'वैगनर' ने विद्रोह किया। लड़ाके राजधानी मास्को की ओर बढ़े। ...और कुछ नजदीक तक पहुंचते कि उससे पहले ही उनके प्रमुख ने वापस लौटने का फरमान सुना दिया। यह कुल 36 घंटों से भी कम समय में हुआ। इस अवधि में दुनियाभर की निगाहें रूस पर टिक गईं कि राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन का अब क्या होगा। यह सवाल तो आगे भी कायम रहने की उम्मीद है कि पुतिन का क्या होगा। अभी हाल में रूसी संविधान में हुए बदलाव के मुताबिक वे आजीवन राष्ट्रपति बने रह सकते हैं, पर यह तो सामान्य व्यवस्था है। जो कुछ हुआ है, वह सामान्य नहीं है। शुक्रवार रात और शनिवार देरशाम तक इस विद्रोह को तख्तापलट की कोशिश बताया गया। रूस में तख्तापलट नहीं हो सकता, ऐसा मानने वाले बहुत हैं। ऐसे लोगों को याद करना होगा कि विद्रोह के तौर पर तख्तापलट भले न हो, किंतु 1989 में जब सोवियत संघ कमजोर पड़ रहा था, ब्रेझनेव के खिलाफ भी विद्रोह हुआ था। तत्कालीन सोवियत संघ के 15 गणराज्य अपनी आजादी मांग रहे थे। मिखाइल गोवार्चेव डाचा में छुट्टियां मना रहे थे और इधर मास्को की सड़कों पर टैंक दौड़ने लगे थे। बोरिस येलत्सिन निर्वाचित राष्ट्रपति थे। उन्होंने नाटकीय तरीके से एक टैंक पर खड़े होकर शांति की अपील की थी। एक दिन बाद ब्रेझनेव राजधानी लौटे थे। इस घटना के बाद ब्रेझनेव का अवसान और येलत्सिन का उदय इतिहास की कड़ी है। तब धीरे-धीरे सोवियत संघ बिखरने लगा था। कुछ ही समय बाद 1993 में येलत्सिन को भी विद्रोह झेलना पड़ा। धुर वामपंथियों और कथित राष्ट्रवादियों के बीच विवाद संघर्ष की नौबत तक पहुंच गया। तब 21 सितंबर को उपराष्ट्रपति अलेक्जेंटर रित्सकोव को सत्ता सौंपने की मांग की गई थी। मेयर ऑफिस और टेलीविजन केंद्र पर विद्रोहियों का कब्जा हो चुका था। येलत्सिन के आदेश पर संसद के बाहर टैंकों ने गोले बरसाये थे। आधिकारिक तौर पर 148 और गैर अधिकृत सूत्र मारे गये लोगों की संख्या एक हजार से भी अधिक बताते हैं। सोवियत संघ के बिखराव की कहानी अब पुरानी हो चुकी है। ताजा विद्रोह के बाद इस तरह की कहानियों ने नया रूप ले लिया है। सोवियत संघ के बिखराव के बाद सर्वाधिक शक्तिशाली रूस भी एक बार लाचार दिखने लगा है। यह विद्रोह ऐसे समय हुआ है, जब रूस 16 महीने से भी अधिक समय से यूक्रेन से जूझ रहा है। इस संघर्ष में प्राइवेट आर्मी के तौर पर 'वैगनर' के मुखिया येवगेनी प्रिगोझिन ने रूस और उसके राष्ट्रपति पुतिन का साथ दिया। यूक्रेन के बखमुत शहर सहित कई प्रमुख ठिकानों पर कब्जे में प्रिगोझिन ने अहम भूमिका निभाई। फिर प्रश्न है कि पुतिन के 'करीबी' प्रिगोझिन ने विद्रोह की सीमा तक जाकर यहां तक क्यों कह दिया कि अब रूस को नया राष्ट्रपति मिलने जा रहा है। शुरू में उसने कहा था कि उसका अभियान तख्तापलट नहीं है। कभी मारपीट, डकैती और धोखाधड़ी जैसे मामलों में 13 साल की सजा काट रहे प्रिगोझिन को नौ साल बाद रिहा कर दिया गया था। उसने सेंट पीटर्सबर्ग में हॉट डॉग बेचने का काम शुरू किया। धंधा इतना चला कि उसने महंगा रेस्तरां खोल लिया। यह इतना लोकप्रिय हो गया कि पुतिन भी अपने मेहमानों के साथ इस रेस्तरां में आने लगे। यहीं से प्रिगोझिन को 'पुतिन का रसोइया' भी कहा जाने लगा।

I WANT TO SAY...

बरसात का मौसम शुरू हो गया है। मौसम विभाग की ओर से अक्सर वज्रपात की चेतावनी जारी की जा रही है। भौगोलिक कारणों से झारखंड के बहुत बड़े क्षेत्र को वज्रपात बहुल क्षेत्र माना जाता है। अखबारों में भी चेतावनी जारी करने के साथ ही इससे बचने के उपाय भी बताए जाते रहे हैं। हाल में वज्रपात की घटनाओं में जानमाल का नुकसान हो चुका है। ऐसे में सतर्कता जरूरी है। वज्रपात से बचने के लिए सरकार के स्तर से उपाय तो किए ही जाने चाहिए, उससे कहीं अधिक जरूरी है कि लोग खुद चेतें। जागरूक रहें और दूसरों को भी जागरुक करें। कुछ साल पहले स्कूल में वज्रपात से कई बच्चों की मौत हो गई थी। उस समय कोहराम मच गया। उस घटना के बाद सरकार ने भी तत्परता दिखाई। स्कूलों में तड़ित चालक स्थापित किए गए। अब जानकारी मिल रही है कि ज्यादातर स्कूलों से तड़ित चालक चोरी हो गए हैं। बच्चों की जान फिर खतरे में है। यह स्थिति शर्मनाक है। हर बात के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराना सही नहीं है। इस बात को समझने की जरूरत है। इसके लिए हर किसी को आगे आना होगा।

राणा रणधीर सिंह, समाजसेवी रांची।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PRIVATE LIMITED, Kathitand, Near Tender Bagicha, P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001.Editor-Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

हॉकी इंडिया ने सीनियर पुरुष टीम के कोर समूह की घोषणा की

-एशियाई चैंपियन्स से पहले अपनी तैयारियों को बेहतर बनाने का अवसर मिलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने अगस्त में होने वाली एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी को देखते हुए सीनियर पुरुष हॉकी टीम के कोर समूह की घोषणा की है। यह समूह यहां भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र (साइ) में 26 जून से 19 जुलाई तक होने वाले राष्ट्रीय शिविर में भाग लेगा। इस शिविर के बाद टीम स्पेन के टेरासा जाएगी जहां वह स्पेन हॉकी महासंघ की 100वीं वर्षगांठ के मौके पर अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में 25 से 30 जुलाई तक खेलेगी। भारत और मेजबान स्पेन के अलावा इंग्लैंड और नीदरलैंड की टीमें भी इस टूर्नामेंट में शामिल होंगी।

चार देशों के इस टूर्नामेंट के बाद एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी चेन्नई में तीन अगस्त से खेली जाएगी जिसमें भारतीय टीम का मुकाबला कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान और चीन से होगा। भारतीय टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, ''एफआईएच पुरुष हॉकी प्रो लीग 2022-23 के बेल्जियम और नीदरलैंड में हुए मुकाबलों में हमने अच्छा प्रदर्शन किया था और अब आने वाले समय में हमें यही निरंतरता बनाए रखनी होगी।

उन्होंने कहा, 'शिविर में हमारे पास कुछ क्षेत्रों में अपने को बेहतर बनाने और एक बार फिर एक इकाई के रूप में मिलकर काम करने का अवसर मिलेगा। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के बाद टीम को चीन के हांगझोउ में एशियाई खेलों में भाग लेना होगा।

भारत का 39 सदस्यीय कोर

संभावित समूह इस प्रकार है

गोलकीपर : कृष्ण बहादुर पाठक, पीआर श्रीजेश, सूरज करकेरा, पवन मलिक, प्रशांत कुमार चौहान।

डिफेंडर : जरमनप्रीत सिंह, सुरेंदर कुमार, हरमनप्रीत सिंह, वरुण कुमार, अमित रोहिदास, गुरिंदर सिंह, जुगराज सिंह, मनदीप मोर, नीलम संजीप सेस, संजय, यशदीप सिवाच, दिपसन टिर्की, मनजीत।

मिडफील्डर : मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, मोइरांगथेम रबिचंद्र सिंह, शमशेर सिंह, नीलाकांत शर्मा, राजकुमार पाल, सुमित, आकाशदीप सिंह, गुरजंत सिंह, मोहम्मद राहील मौसीन, मनिंदर सिंह।

फारवर्ड : एस कार्थी, मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अभिषेक, दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, सिमरनजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा और पवन राजभर।

भारतीय टीम ने स्पेशल ओलंपिक विश्व खेलों में 150 पदक के आंकड़े को किया पार

बर्लिन (एजेंसी)। रोलर स्केटर्स के दो स्वर्ण और तीन रजत पदक से भारत ने यहां स्पेशल ओलंपिक विश्व खेलों में अपने पदकों की संख्या को 150 पदक के आंकड़े के पार पहुंचाया। भारत इन खेलों में अब तक कुल 157 पदक, (66 स्वर्ण, 50 रजत, 41 कांस्य) जीत चुका है।

खेलों में अब सिर्फ एक दिन की प्रतियोगिताएं बची हैं। आर्यन (300 मीटर) और दीपन (1000 मीटर) ने रोलर कोस्टर में स्वर्ण पदक जीते। भारत की फाइव ए साइड मिश्रित बास्केटबॉल टीम ने भी पुर्तगाल को 6-3 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले शनिवार को भारत की महिला टीम को फाइनल में स्वीडन के खिलाफ हार के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। रविवार को प्रतियोगिताओं के अंतिम दिन भारत एथलेटिक्स, लॉन टेनिस और साइकिलिंग में पदक जीतने के इरादे से उतरेगा।

नीदरलैंड एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट क्वालीफायर के सुपर-6 में पहुंची

-पहले चरण में नेपाल को सात विकेट से हराया

हरारे (एजेंसी)। नीदरलैंड ने विश्व कप क्वालीफायर के पहले चरण में नेपाल को सात विकेट से हराकर सुपर-6 चरण में प्रवेश किया है। नीदरलैंड की जीत में लोगन वैन बीक की घातक गेंदबाजी और मैक्स ओ'डाउड के आक्रामक अर्धशतक की अहम भूमिका रही। लोगन ने चार विकेट लिए जबकि मैक्स ने तेजी से 90 रनों की पारी खेली। नीदरलैंड ने इस मैच में टॉस जीतकर नेपाल को पहले पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। नेपाल की टीम 167 रनों पर ही सिमट गयी। इसके बाद बास डी लीड के नाबाद 41 और विक्रमजीत सिंह के नाबाद 30 रनों की सहायता से नीदरलैंड टीम ने 27.1 ओवर में ही ये लक्ष्य हासिल कर लिया। इस प्रकार ग्रुप-ए से वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे के बाद नीदरलैंड सुपर-6 में पहुंचने वाली तीसरी टीम बन गयी है।

इस मैच में नेपाल की टीम डच गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी। विक्रमजीत ने शुरुआत में ही कुशल भुर्तेल को 27 रन पर आउट करने बाद आरिफ शेख को भी 6 रनों पर पेवेलियन भेज दिया। भीम शार्की 22 रन बना पाये। नेपाल के कप्तान रोहित पौडेल ने 55 गेंद पर तीन चौकों और एक छक्के के साथ सबसे ज्यादा 33 रन बनाये। वैन बीक ने रोहित और दीपेंद्र सिंह 14 और संदीप लामिछने 27 को आउट कर दिया।

आर्यन दत्त ने कुशन मल्ल को आउट किया, जबकि बास डी लीड ने गुलशन झा और करन केसी को आउट करके नेपाल की पारी समेट दी। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को डच टीम ने आसानी से हासिल कर लिया।। ओ'डाउड ने विक्रमजीत के साथ पहले विकेट के लिये 86 रन बनाकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलायी। इसके बाद डी लीड ने 39 गेंद पर छह चौकों के साथ 41 रन की नाबाद पारी खेलकर नीदरलैंड को लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

रोहित शर्मा के बाद टीम इंडिया का कप्तान कौन?

सुनील गावस्कर ने इन तीन खिलाड़ियों को लेकर कही बड़ी बात

मुंबई (एजेंसी)। रोहित शर्मा के बाद टीम इंडिया का कप्तान कौन होगा। यह अपने आप में बड़ा सवाल है। दरअसल, बैकअप कप्तान के तौर पर अब तक बीसीसीआई की ओर से किसी को तैयार नहीं किया गया है। टी20 में एक तरह से हार्दिक पांड्या टीम का नेतृत्व कर सकते हैं। लेकिन बड़ा सवाल टेस्ट को लेकर है। ऐसे में भारत के दिग्गज खिलाड़ी सुनील गावस्कर ने 3 खिलाड़ियों का नाम सामने रखा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि ये तीन खिलाड़ी टीम इंडिया का भविष्य में नेतृत्व कर सकते हैं।

कौन हैं वह तीन खिलाड़ी

सुनील गावस्कर ने जिन खिलाड़ियों का नाम रखा है उसमें शुभनन गिल, अक्षर पटेल और ईशान किशन का नाम शामिल है। शुभनन गिल को लेकर उन्होंने कहा कि वह शानदार फॉर्म में हैं। टीम इंडिया में लगातार खेल रहे हैं। ऐसे में उन्हें भविष्य में कप्तान के तौर पर देखा जा सकता है। अक्षर पटेल लगातार क्रिकेट में अपना दबदबा स्थापित कर रहे हैं गेंद और बल्ले दोनों से उनका कमाल जारी है। ऐसे में वह भी टीम का नेतृत्व कर सकते हैं। इसके अलावा ईशान किशन का नाम देते हुए उन्होंने कहा कि इस खिलाड़ी में प्रतिभा है। लेकिन इसे कप्तानी के लिए पहले खुद को टीम में स्थापित करना पड़ेगा। गावस्कर ने अजिंक्य रहाणे को टेस्ट में फिर से उप कप्तानी सौंपने को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि किसी युवा खिलाड़ी को कप्तानी देनी चाहिए थी जो भविष्य के लिए तैयार हो सके।

इस बात से हैं खफा

सुनील गावस्कर ने चेतेश्वर पुजारा को 'बलि का बकरा' बनाने और घरेलू क्रिकेट में रनों का अंबार लगाने वाले सरफराज खान को अगले महीने वेस्टइंडीज में होने वाले दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला की टीम से नजरअंदाज करने के लिए राष्ट्रीय चयनकर्ताओं की आलोचना की है। गावस्कर ने कहा कि सरफराज खान पिछले तीन सत्र से लगभग 100 की औसत से रन बना रहा है। उसे टीम में जगह बनाने के लिये क्या करना होगा? हो सकता है कि उसे अंतिम एकादश में जगह ना मिले लेकिन टीम में उनका चयन तो होना ही चाहिए था। उन्होंने कहा कि उसे ऐसा लगना चाहिए कि उसके प्रदर्शन को सराहा जा रहा है। अगर ऐसा नहीं है तो, रणजी ट्रॉफी खेलना बंद कर दें। आईपीएल में अच्छा खेलकर अगर आप टेस्ट टीम में जगह बना लेंगे तो फिर रणजी ट्रॉफी का कोई फायदा नहीं है।

धोनी को भी है टैटू गुदवाने का शौक, लेकिन सुई से लगता है डर

नई दिल्ली। पूर्व कप्तान एमएस धोनी को भी टैटू गुदवाने का बहुत शौक है, लेकिन एक वजह से पीछे हट जाते हैं। धोनी के शरीर पर एक भी टैटू नहीं है जबकि धोनी सालों से इस ट्रेंड के बीच में जिंदगी जी रहे हैं। धोनी को टैटू से समस्या नहीं बल्कि उन्हें सुई से डर लगता है। इस बात का खुलासा उन्होंने स्वयं ?किया है। गौरतलब है कि क्रिकेट जगत में कई खिलाड़ी हर नए ट्रेंड को फॉलो करते नजर आते हैं फिर

चाहे बात हेयरस्टाइल की हो या फिर टैटू की। इंडियन टीम में भी विराट कोहली से लेकर हार्दिक पंड्या तक ज्यादातर प्लेयर्स टैटू के काफी शौकीन हैं। मॉडर्न ट्रेंड की बात करें तो धोनी ने काफी कूल हेयरस्टाइल के ट्रेंड को फॉलो किया है। शुरू में धोनी ने बड़े बालों के स्टाइल को फॉलो किया जिसकी वजह से उनका लुक काफी वायरल हुआ। इसके बाद धोनी ने कई हेयरस्टाईल के ट्रेंड को फॉलो किया है। मीडिया से बातचीत के दौरान इस राज का खुलासा धोनी ने किया था कि वह टैटू ट्रेंड को फॉलो क्यों नहीं करते? माही सिर्फ टैटू वाली सुई से ही नहीं बल्कि डॉक्टर के इंजेक्शन से भी दूर भागते हैं। धोनी के फैंस एक तरफ उनके नाम के टैटू बनवाते हैं, वहीं एक फौजी के रूप में कार्यरत धोनी को इंजेक्शन से भी डर लगता है। ये बात सुनकर सभी को हैरानी जरुरी हुई होगी। गौरतलब है कि धोनी उन चुनिंदा प्लेयर्स में से एक हैं जो फोन से काफी दूर रहते हैं। सोशल मीडिया पर धोनी के ऑफिशियल अकाउंट तो हैं लेकिन वह सालों तक उनपर नजर नहीं आते हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर आखिरी पोस्ट आईपीएल से पहले ट्रैक्टर चलाते हुए डाली थी। सिर्फ टैटू ही नहीं बल्कि कई चीजें हैं जो माही को बाकी खिलाड़ियों से अलग बनाती हैं। कैप्टन कूल के शांत स्वभाव और मैदान में उनकी चालाकी भरी चालों से करोड़ों फैंस माही के दीवाने हैं।

अगस्त में आयरलैंड के खिलाफ सीरीज से वापसी कर सकते हैं बुमराह

बेंगलुरु। टीम इंडिया के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के अगस्त में भारत और आयरलैंड के बीच होने वाली टी20 सीरीज से मैदान पर वापसी की संभावनाएं हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार बुमराह यहां राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अगले महीने कुछ अभ्यास मैच खेलेंगे। इन मैचों के आधार पर पता चलेगा कि बुमराह अभी खेनने के लिए फिट हैं या नहीं। इसमें ये भी देखा जाएगा कि बुमराह मैच के अगले दिन किस प्रकार का अनुभव करते हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, एनसीए के मैचों के बाद ही बुमराह की आयरलैंड के खिलाफ सीरीज में उतारने का फैसला होगा। इस सीरीज के मुकाबले 18, 20 और 23 अगस्त को खेले जाएंगे। अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए प्रबंधन बुमराह की वापसी के लिए गंभीर है। इसके लिए भारतीय टीम पहले टी20 में उनकी क्षमता का परीक्षण करेगी।चयनकर्ताओं, राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में बुमराह का ध्यान रखने वाले चाहते हैं कि वह टी20 से ही शुरुआत करें।

उल्लेखनीय है कि शुरुआत में पीठ की समस्या और बाद में पीठ की सर्जरी के कारण बुमराह पिछले साल सितंबर से मैदान से बाहर हैं।

विश्वकप क्वालिफायर में जिम्बाब्वे ने वेस्टइंडीज को 35 रनों से हराया

हरारे (एजेंसी)। वेस्टइंडीज टीम को जिम्बाब्वे के हाथों एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट क्वालिफायर मुकाबले में 35 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। जिम्बाब्वे ने पहले खेलते हुए सिकंदर रजा के 68, रियाल बर्ल के 50 तो कप्तान क्रेग इरविन के 47 रनों की सहायता से 268 रन बनाए थे। वहीं विंडीज की ओर से अल्जारी जोसेफ और अकिल हुसैन ने 2-2 तो कीमो पॉल ने 3 विकेट लिए। इसके बा लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की टीम 233 रन ही बना सकी और उसे 35 रनों से हार का सामना करना पड़ा। विंडीज की ओर से काइल मायर्स ने 56, निकोल्स पूरन ने 34, रोस्टर चेज ने 44 रन बनाये।

इस हार से वेस्टइंडीज पर क्वालीफायर दौर से बाहर होने का खतरा मंडराने लगा है। दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज को इस साल रैंकिंग में नीचे होने के कारण क्वालिफायर दौर खेलने पड़ रहे हैं। इसी के तहत जिम्बाब्वे के खिलाफ अहम मुकाबले में उसे 35 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। गौरतब है कि क्वालिफायर की 10 टीमों में से दो टीमें आगे जाएंगी। हर ग्रुप से एक टीम आगे जाएगी।

वेस्टइंडीज को अब विश्वकप में जगह बनाने नीदरलैंड के खिलाफ अपने अंतिम ग्रुप चरण मुकाबले में जीत दर्ज करनी होगी। वहीं अगर वह ग्रुप में तीसरे स्थान पर रही तो भी उसके मुख्य टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने की संभावनएं बेहद कम हो जाएंगी। गौरतलब है कि ग्रुप चरण के अंक उसी ग्रुप की टीमों के खिलाफ सुपर 4 में आगे बढ़ाए जाते हैं जिन्होंने क्वालीफाई किया है। इसलिए जिम्बाब्वे को चार मिलेंगे, लेकिन वेस्टइंडीज को केवल दो ही मिलेंगे भले ही वे अपना आखिरी गेम जीत जाएं। दूसरे समूह से यह संभावना अधिक लगती है कि अगर अगले कुछ दिनों में कोई बड़ा झटका नहीं लगता है तो श्रीलंका के भी पूरे चार अंक रहेंगे। इसका मतलब है कि वेस्टइंडीज को सुपर सिक्स में अपने तीन मैचों में से हरएक को जीतना होगा।

दूसरे एशेज टेस्ट में बुनियादी बातों पर ध्यान दें लाबुशेन और हेड : पोंटिंग

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि टीम के प्रमुख बल्लेबाजों मार्नस लाबुशेन और ट्रैविस हेड को इंग्लैंड के खिलाफ बुधवार से होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए अपनी बुनियादी बातों पर वापसी करनी होगी। पोंटिंग के अनुसार लेबुशेन और हेड पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म तक नहीं पहुंच पाये थे। साथ ही कहा कि अपने पदार्पण के बाद से ही लाबुशेन का टेस्ट करियर काफी अच्छा रहा है पर वे केवल एक शतक ही विदेशी धरती पर लगा पाये हैं। उनके अन्य नौ शतक ऑस्ट्रेलिया में बने हैं। वहीं आईसीसी समीक्षा पर पोंटिंग का मानना है कि इस श्रृंखला में सफल होने के लिए लाबुशेन को बुनियादी बातों पर ध्यान देने की जरूरत है।

पोंटिंग ने कहा, मैं चाहत हूं कि वे मुझसे पूछें। यह मेरी जगह नहीं है, मैं कोचों में से एक नहीं हूं, मैं केवल एक पुराना खिलाड़ी हूं जो पीछे बैठा है और विश्लेषण कर रहा है कि इनमें से कितने लोग क्या कर रहे हैं हालांकि मैं उनसे मिलना चाहूंगा और उनकी बल्लेबाजी के बारे में बातचीत करना चाहूंगा क्योंकि मुझे लगता है कि पिछले कुछ हफ्तों में मैंने जो देखा है, जहां तक मेरा सवाल है, मुझे लगता है कि ये दोनो ही चीजों को थोड़ा अधिक जटिल बना रहे हैं। पोंटिंग ने कहा, मुझे लगता है कि उसे पिछले कुछ वर्षों में दुनिया में नंबर 2-रैंक वाला टेस्ट बल्लेबाज बनाने वाली चीज पर भरोसा और विश्वास करना होगा। वास्तव में मैं उससे बस यही कहूंगा। मैं वास्तव में यही कहूंगा कि वह जाकर कुछ फुटेज देखे और देखे जब उसने वास्तव में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया हो, और उन चीजों को याद रखें और जाकर दोबारा वही सब करें।

वहीं लाबुशैन के अलावा हेड को पहले टेस्ट में रन बनाने के संघर्ष करना पड़ा क्योंकि इंग्लैंड ने शॉर्ट-पिच गेंदबाजी से उसे परेशान कर दिया। साथ ही कहा कि आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में भारत द्वारा इस प्रकार की गेंदबाजी के खिलाफ हेड ने अच्छा खेला था पर इंग्लैंड के खिलाफ वह संघर्ष करते दिखे। पोंटिंग के अनुसार हेड को इंग्लैंड के गेंदबाजों के शुरुआती दौर के आक्रमण पर काबू पाने के लिए एक रणनीति बनानी चाहिए। पोंटिंग ने कहा, सबसे पहले, उसे अब पता चल जाएगा कि यह होने वाला है। वह इसकी उम्मीद करेगा। तो इसलिए मुझे लगता है कि उसे इस पर अपने मन से काम करना होगा।

पोंटिंग का मानना है कि अगर इंग्लैंड लॉर्ड्स में दूसरे टेस्ट में तेज गेंदबाज मार्क वुड की गति को शामिल करने के लिए अपने गेंदबाजी आक्रमण में बदलाव करता है तो हेड के लिए बड़ा खतरा होगा।

गनीमत, दर्शा ने एशियाई खेलों और विश्व चैम्पियनशिप की टीम में जगह बनायी

नयी दिल्ली। निशानेबाजी विश्व कप की स्कीट स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय गनीमत सेखों और दर्शा राठौड़ को अजरबैजान में होने वाली आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप और आगामी एशियाई खेलों (सितंबर में चीन के हांगझोऊ) के लिए निशानेबाजी टीम में शामिल किया गया। दोनों प्रमुख स्पर्धाओं के लिए महिला वर्ग में तीसरी स्कीट निशानेबाज परिनाज धालीवाल हैं। जूनियर विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला स्कीट निशानेबाज और विश्व कप कांस्य जीतने वाली पहली भारतीय महिला स्कीट निशानेबाज गनीमत ने पिछले महीने कजाकिस्तान के अल्माटी में विश्व कप में रजत पदक जीता था। दर्शा ने अल्माटी विश्व कप में कांस्य पदक जीतकर इसे भारत के लिए यादगार बना दिया था। यह पहली बार था जब भारत की दो निशानेबाजों ने महिला स्कीट विश्व कप के व्यक्तिगत स्पर्धा में दो पदक हासिल किये थे। एशियाई खेलों और विश्व चैंपियनशिप के लिए पुरुषों की स्कीट टीम में जूनियर वर्ग में 2014 एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता अनंतजीत सिंह नरूका, अंगद वीर सिंह बाजवा और गुरजोत सिंह खंगुरा शामिल हैं। कई बार के राष्ट्रीय चैंपियन अनुभवी स्कीट निशानेबाज मेराज अहमद खान को इन दोनों प्रतियोगिताओं की टीम में जगह नहीं दी गयी। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के अनुसार, टीम का चयन 2023 के शुरूआती छह महीनों में आयोजित चार ट्रायल और कुछ अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के अंकों को ध्यान में रखा कर किया गया है।

वाजक्वेज के गोल से अमेरिका ने जमैका को 1-1 से बराबरी पर रोका

शिकांगो। ब्रेंडन वाजक्वेज के 88वें मिनट में दागे गोल की बदौलत गत चैंपियन अमेरिका ने कोनकाकाफ गोल्फ कप फुटबॉल टूर्नामेंट के पहले मैच में जमैका को 1-1 से बराबरी पर रोक दिया। डेमियन लोव ने शनिवार रात दुनिया की 63वें नंबर की जमैका की टीम को 13वें मिनट में बढ़त दिलाई। लोव का 53 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में यह तीसरा गोल है। उन्होंने डेमाराई ग्रे की फ्री किक पर हेडर से गोलकीपर मैट टर्नर को छकाते हुए गोल किया। वाजक्वेज ने इसके बाद मैच के अंतिम लम्हों में सात यार्ड की दूरी से अपना दूसरा अंतरराष्ट्रीय गोल दागकर अमेरिका को बराबरी दिला दी। अमेरिका की दुनिया की 13वें नंबर की टीम अब बुधवार को सेंट लुई में दुनिया की 139वें नंबर की टीम सेंट किट्स एवं नेविस से भिड़ेगी। सेंट किट्स एवं नेविस की टीम इससे पहले रविवार को दुनिया की 104वें नंबर की टीम त्रिनिदाद एवं टोबैगो से खेलेगी।

अश्विन-जडेजा के बाद टीम इंडिया की अगली स्पिन जोड़ी तैयार करने की चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर अश्विन-रवींद्र जडेजा की स्पिन जोड़ी ने भले ही टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। लेकिन दोनों का विकल्प ढूंढने में भारतीय टीम कड़ी चुनौती का सामना कर रही है। हालांकि पिछली डब्ल्यूटीसी साइकिल (2021-23) में अगर भारत फाइनल में पहुंचा तो इन दोनों गेंदबाजों के बदौलत ही हुआ। अश्विन सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में तीसरे स्थान पर रहे थे। उन्होंने 13 टेस्ट में 19।67 की औसत से 61 विकेट लिए थे। वहीं, रवींद्र जडेजा पिछली वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में भारत के लिए सबसे अधिक विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज थे। उन्होंने 13 टेस्ट में 47 विकेट लिए थे। अश्विन और जडेजा टेस्ट क्रिकेट में सिर्फ विकेट लेने का ही काम कर रहे बल्कि उन्होंने अपने बल्ले से भी कमाल दिखाया है। पिछली डब्ल्यूटीसी साइ?किल में जडेजा ने 13 टेस्ट में 36 की औसत से 721 रन बनाए। जडेजा ने 2 शतक और तीन अर्धशतक भी लगाए। वो औसत और शतक के मामले में विराट से भी आगे रहे। अश्विन ने भी 13 टेस्ट में 444 रन बनाए। उन्होंने 2 अर्धशतक भी लगाए। ऐसे में सवाल ये बनता है कि उनके बाद टेस्ट क्रिकेट में स्पिन गेंदबाजी आक्रमण की कमान कौन संभालेगा।

जानकार बताते हैं कि क्रिकेटर रवींद्र जडेजा के विकल्प के रूप में अक्षर पटेल तैयार हैं। अक्षर भी रवींद्र की तरह बाएं हाथ से गेंदबाजी करते हैं और घर में उनका टेस्ट रिकॉर्ड बेहद शानदार है। वो निचले क्रम में अच्छी बैटिंग भी करते हैं। यानी जडेजा के संन्यास लेने की सूरत में वो उनका रिप्लेसमेंट बन सकते हैं। अक्षर पटेल ने पिछली डब्ल्यूटीसी साइकिल में इसे साबित भी किया था। उन्होंने 9 टेस्ट में 45 की औसत से 458 रन बनाए थे। 4 अर्धशतक ठोके थे। इसके अलावा 23 विकेट भी लिए थे। यानी गेंद और बल्ले दोनों से अक्षर जडेजा की भरपाई कर सकते हैं। लेकिन ऑफ स्पिनर अश्विन का रिप्लेसमेंट कौन होगा? ये बड़ा सिरदर्द है। पिछली वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल में भारत की तरफ से तीन स्पिन गेंदबाजों ने ही सबसे अधिक टेस्ट खेले। इसमें अश्विन-जडेजा ने 13-13 और अक्षर पटेल ने 9 मैच खेले। इसके अलावा जयंत यादव ने 2 और कुलदीप यादव ने 1 ही टेस्ट खेला। यानी भारत ने भविष्य के लिहाज से स्पिन गेंदबाज तैयार करने की दिशा में काम ही नहीं किया है।

कुलदीप यादव, सौरभ कुमार और राहुल चाहर जैसे स्पिन गेंदबाज इंडिया-ए की तरफ से लगातार खेल रहे हैं और टीम इंडिया का भी हिस्सा रहे हैं। लेकिन, पिछले 2 साल में किसी को भी टेस्ट खेलने के मौके ही नहीं मिले। ऐसे

में क्या ये स्पिन गेंदबाज भविष्य में टीम इंडिया के स्पिन आक्रमण की कमान संभाल सकेंगे। इनके अलावा भी कई और स्पिन गेंदबाज हैं, जो घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इसमें रवि बिश्नोई, वरुण चक्रवर्ती, शम्स मुलानी जैसे गेंदबाज शामिल हैं। केरल के ऑलराउंडर जलज सक्सेना भी हैं। जो ऑफ स्पिनर हैं। लेकिन, उनकी उम्र 36 साल हो चुकी है। ऐसे में वो भारतीय स्पिन गेंदबाजी आक्रमण का भविष्य नहीं हो सकते हैं।

बड़े परदे पर कमबैक करेंगी विद्या

एक्ट्रेस विद्या बालन की अगली फिल्म 'नीयत' का टीजर रिलीज हो चुका है। मेकर्स ने बुधवार को टीजर के साथ इसके कैरेक्टर पोस्टर्स भी लॉन्च किए। यह एक मर्डर मिस्ट्री है जिसमें विद्या डिटेक्टिव मीरा राव का किरदार निभा रही हैं। फिल्म के टीजर में मेकर्स ने कुछ खास जानकारी तो नहीं दी पर फिल्म और इसके किरदारों को लेकर सस्पेंस जरूर क्रिएट किया है। टीजर में बैकग्राउंड में एक डायलॉग है जिसमें कहा गया है, 'सस्पेक्ट आ रहे हैं, मकसद बन रहे हैं, तैयार हो जाइए। एक मिस्ट्री के लिए। फिल्म की कहानी डिटेक्टिव बनीं विद्या के किरदार के इर्द-गिर्द बुनी गई है जो एक मर्डर मिस्ट्री सुलझाती दिखेंगी। विद्या के अलावा इसमें राम कपूर, राहुल बोस, नीरज काबी, शाहना गोस्वामी, अमृता पुरी, दीपानिता शर्मा, निक्की वालिया, शशांक अरोरा, प्राजक्ता कोली और दानेश रजवी जैसे बड़े कलाकार नजर आएंगे। इस फिल्म को अनु मेनन ने डायरेक्ट किया है जो इससे पहले विद्या के साथ 'शकुंतला देवी' बना चुके हैं। यह फिल्म 7 जुलाई को थिएटर्स में रिलीज होगी और इसके जरिए विद्या 4 साल बाद बड़े परदे पर नजर आएंगी। उनकी आखिरी थिएटर रिलीज 'मिशन मंगल' थी।'मिशन मंगल' के बाद विद्या के तीन प्रोजेक्ट्स 'शकुंतला देवी', 'शेरनी' और 'जलसा' ओटीटी पर ही रिलीज हुए हैं। यह दूसरा मौका है जब विद्या डिटेक्टिव के रोल में दिखेंगी। इससे पहले उन्होंने 2014 में रिलीज हुई फिल्म 'बॉबी जासूस' में डिटेक्टिव का रोल किया था।

परिणीति चोपड़ा ने शिद्दत 2 से खींचा हाथ!

ओटीटी पर शिद्दत की सफलता के बाद, निर्माताओं ने हाल ही में इसके सीक्वल की घोषणा की थी। जहां फिल्म में सनी कौशल एक बार फिर जग्गी की भूमिका निभाने वाले थे, वहीं परिणीति को मुख्य भूमिका निभाने के लिए साइन किया गया था। लेकिन अब खबरें हैं कि अभिनेत्री ने फिल्म छोड़ दी है। परिणीति चोपड़ा पिछले काफी समय से अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा के संग अफेयर और फिर सगाई के कारण परिणीति खबरों में लगातार बनी हुई हैं। हालांकि, इन सभी के साथ परिणीति की प्रोफेशनल लाइफ को लेकर भी बीते दिनों बड़ी खबर आई थी। दरअसल, अभिनेत्री ने साल 2021 में आई रोमांटिक फिल्म शिद्दत का दूसरा पार्ट साइन किया था, जिसमें वह सनी कौशल के साथ इश्क फरमाती नजर आने वाली थी। इस खबर से जहां परिणीति के फैंस बहुत खुश हुए थे, वहीं अब कुछ ऐसी रिपोर्ट्स सामने आ रही हैं जिनसे उनका दुखी होना बनता है। दरअसल, लेटेस्ट रिपोर्ट्स के मुताबिक परिणीति ने शिद्दत 2 से अपने हाथ खींच लिए हैं। ओटीटी पर शिद्दत की सफलता के बाद, निर्माताओं ने हाल ही में इसके सीक्वल की घोषणा की थी।

टीवी एक्टर के टैग ने बर्बाद कर दिया करियर : विवेक दहिया

टीवी जगत के जाने माने अभिनेता विवेक दहिया लंबे ब्रेक के बाद बड़े पर्दे पर अपना डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने 'ये हैं मोहब्बतें', 'कवच-काली शक्तियों से' और 'कयामत की रात' जैसे कई टीवी शो में अभिनय किया है। उन्होंने कई फेमस वेब शो में भी काम किया है। इन सब के बावजूद आज भी विवेक पर टीवी एक्टर का टैग लगता है। अब अभिनेता ने इस पर चुप्पी तोड़ते हुए अपना दर्द बयां किया है। पिछले दिनों खबर आई थी कि विवेक जल्द ही बॉलीवुड में नजर आने वाले हैं। दरअसल, विवेक 'चल जिंदगी' से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं। यह फिल्म एक रोड ट्रिप पर आधारित है। हालांकि, छोटे पर्दे से लेकर बॉलीवुड तक विवेक का सफर आसान नहीं था। शो 'ये हैं मोहब्बतें' के बाद विवेक को काम मिलना बंद हो गया था और लंबे समय तक उन्हें खाली बैठना पड़ा था। संघर्ष के दिनों को याद कर विवेक ने कहा, 'मैंने लगभग तीन साल छोटे पर्दे पर काम किया। बाद में अपनी पत्नी दिव्यांका के साथ एक रिएलिटी शो 'नच बलिए' में भी भाग लिया। उस शो से हमें लोकप्रियता तो मिली, लेकिन काम नहीं मिला। बाद में मैंने सोचा मैं बड़े पर्दे पर आने के लिए तैयार हूं। मेरे पास अपने कंधे पर एक फिल्म ले जाने की क्षमता है। अब काफी साल जब मैं बड़े पर्दे पर आने के लिए तैयार हुआ तो मुझे यह एहसास हुआ कि मुझ पर टीवी एक्टर का ठप्पा लगा दिया गया है। विवेक ने आगे कहा, 'मैंने इतने भी टीवी शोज नहीं किए हैं, जिस आधार पर मुझपर टीवी एक्टर का ठप्पा लगाया जाता है। मैं जब भी ऑडिशंस देने जाता तो प्रोड्यूसर्स कहते कि तुम्हारे अंदर क्षमता तो है, लेकिन तुम टीवी से हो। तुम्हें टीवी में काम नहीं करना चाहिए था।' मुझसे कहा गया कि तीन-चार साल घर पर बैठो और ऑडिशन देते रहो। आपको बता दें कि विवेक अपनी आगामी फिल्म 'चल जिंदगी' को लेकर लगातार चर्चा में चल रहे हैं। इस फिल्म में अभिनेता दिग्गज गायक कुमार शानू की बेटी शैनन के साथ स्क्रीन साझा करते हुए नजर आएंगे। इसके अलावा अब विवेक ने छोटे पर्दे से दूरी बना ली है और अब अपना करियर बॉलीवुड में ही बनाना चाहते हैं।

बिग बी के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करने पर बोली पूजा हेगड़े

बॉलीवुड एक्ट्रेस पूजा हेगड़े, मेगास्टार अमिताभ बच्चन के साथ एक विज्ञापन में नजर आएंगी। एक्ट्रेस ने सेट से एक झलक साझा की है। एक्ट्रेस ने अपनी एक्साइटमेंट को साझा करते हुए, इंस्टाग्राम पर बिग बी की फोटो शेयर करते हुए उनकी तारीफ की। इस पल को कैद करते हुए एक्ट्रेस ने एक ब्लैक-एंड-व्हाइट तस्वीर फोस्ट करते हुए, अमिताभ बच्चन के काम के बारे में अपनी टिप्पणी दी। एक्ट्रेस ने तस्वीर के कैप्शन में लिखा, बस इस दिग्गज को काम करते हुए देख रही हूं! हमारे द्वारा शूट किए गए नए विज्ञापनों को देखने के लिए आप सभी का इंतजार नहीं कर सकती। कितना मजेदार था। रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में एक्ट्रेस अपने अगले बड़े बजट की तेलुगु एक्शन ड्रामा गुंटूर करम के लिए तैयार हैं। अमिताभ बच्चन को हाल ही में ब्रह्मास्त्र- पार्ट वन-शिवा, ऊंचाई और अलविदा जैसी फिल्मों में देखा गया था। उनके पास ढेर सारे प्रोजेक्ट हैं, जिनमें गणपथ और प्रोजेक्ट के शामिल हैं।

रजनीकांत-लोकेश कनगराज के साथ

काम नहीं करेंगे यश!

केजीएफ और केजीएफ 2 ने साउथ अभिनेता यश को न केवल सुपरस्टार बल्कि एक पैन इंडिया स्टार बना दिया दिया। आज उनके फैंस पूरी दुनिया में फैले हैं, जिनके दिमाग में अक्सर एक ही सवाल आता है कि आखिर यश का अगला प्रोजेक्ट कौन सा होने वाला है। केजीएफ 2 के बाद से ही दर्शक उन्हें फिर से बड़े पर्दे पर देखने का इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में, ऐसी खबरें आ रही थीं कि वह लोकेश कनगराज की अगली फिल्म के लिए सुपरस्टार रजनीकांत के साथ काम कर सकते हैं। हालांकि, सूत्रों ने अब पुष्टि की है कि ये रिपोर्ट्स सच नहीं हैं। हाल ही में ऐसी खबरें आई थीं कि यश अपनी अगली फिल्म में सुपरस्टार रजनीकांत के साथ काम करेंगे। यह भी कहा गया था कि लोकेश कनगराज इस फिल्म का निर्देशन करेंगे। हालांकि, नई रिपोर्ट्स में अभिनेता के करीबी सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि यह बिल्कुल झूठ है। यश ने अपनी अगली फिल्म यश 19 को पहले ही तय कर लिया है, लेकिन पिछले कुछ महीनों में न तो किसी फिल्म निर्माता से मिले हैं और न ही नई स्क्रिप्ट पर विचार किया है। वह जल्द ही बड़े पैमाने पर अपनी अगली फिल्म की घोषणा भी करेंगे। अभिनेता के एक विश्वसनीय सूत्र ने खुलासा किया कि, केजीएफ 2 की सफलता के बाद, यश दर्शकों की उम्मीदों से अच्छी तरह वाकिफ थे, और उनका विजन बहुत साफ था कि वह लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरना चाहते हैं। प्रोजेक्ट साइन करने की होड़ में जाने के बजाय, उन्होंने कई स्क्रिप्ट्स पढ़ीं, जिनमें से कुछ इंडस्ट्री के बड़े बड़े निर्देशकों की थीं। वह छह महीने पहले जो करने जा रहा थे, उन्होंने उसे लॉक कर दिया। वास्तव में, उन्होंने पिछले कुछ महीनों में किसी भी फिल्म निर्माता से मुलाकात नहीं की है और न ही कोई नई स्क्रिप्ट सुनी है। यश फिल्म के कई पहलुओं पर अपनी टीम के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। वे लगभग तैयार हैं और जल्द ही एक बड़ी घोषणा भी करेंगे।

पोन्नियिन सेल्वन 2 में कम स्क्रीन टाइम मिलने पर शोभिता ने चुप्पी तोड़ी

शोभिता धुलिपाला इस साल अप्रैल में रिलीज हुई मणिरत्नम की फिल्म पोन्नियिन सेल्वन 2 में नजर आईं। फिल्म में ऐश्वर्या राय ने लीड रोल अदा किया। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म को अच्छी प्रतिक्रिया मिली। हालांकि, फिल्म में शोभिता को बहुत ज्यादा स्क्रीन स्पेस नहीं मिला। इस बारे में अब एक्ट्रेस ने चुप्पी तोड़ी है। शोभिता का कहना है कि बेशक इस फिल्म में उनकी ख्वाहिश और अधिक स्क्रीन स्पेस मिलने की थी। लेकिन, कम स्पेस मिलने के बाद भी वह इसका हिस्सा बनने के लिए आभारी हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि पोन्नियिन सेल्वन 2 में काम करते हुए वह काफी सहज रहीं। शोभिता ने कहा, मुझे लगता है कि मुझे अपने करियर में यह बड़ी उपलब्धि मिली, भले ही इतनी बड़ी स्टारकास्ट में छोटा सा हिस्सा ही स्क्रीन पर मिला। लेकिन, मैं विभिन्न प्रकार के वातावरण का हिस्सा रही हूं और मुझे यह सब पसंद है। एक्ट्रेस ने आगे कहा, मुझे लगता है कि विविधता एक ऐसी चीज है, जो कलाकारों के आगे बढ़ने में और उनकी तरक्की में मददगार होती है। मैं रातों रात स्टार बनने के सपने नहीं देखती। मुझे वह जुड़ाव महसूस नहीं होता। मैं एक सार्थक और लंबा करियर चाहती हूं, जहां मुझे विभिन्न किरदार करने को मिले। मैं हर किरदार को अच्छी तरह से करना चाहती हूं। शोभिता का कहना है, अपने करियर की शुरुआत से ही मुझे ऐसे किरदार नहीं मिले, जिनका स्क्रीन पर लंबा समय हो। इसलिए मैंने जितना भी स्पेस मिला, उसी में बेहतर करने के पंच सीखे। छोटे किरदारों को ही दिलचस्प बनाने पर मेहनत की। वर्क फंट की बात करें तो शोभिता जल्द ही द नाइट मैनेजर के दूसरे पार्ट में नजर आएंगी। यह शो 30 जून को डिज्नी प्लस हॉट स्टार पर आएगा।

एक्टिंग, गाने और लिखने की कला के लिए आभारी हूं : आयुष्मान खुराना

आयुष्मान खुराना का कहना है कि वह एक्टर-आर्टिस्ट बने रहेंगे। इससे उन्हें संतुष्टि मिलती है। वर्ल्ड म्यूजिक डे पर, उन्होंने खुलासा किया कि उनका नया गाना रतन कालिया 4 जुलाई को रिलीज होगा। उनके पास पानी दा रंग, साडी गली आजा, मिट्टी दी खुशबू, यहीं हूं मैं जैसे कई हिट गाने हैं। आयुष्मान ने कहा, मैं एक एक्टर-आर्टिस्ट बना रहूंगा, इससे संतुष्टि मिलती है। जब मुझे एक्टर के रूप में अच्छी, फ्रेश, डिसरप्टिव फिल्मों का हिस्सा बनने का मौका मिलता है तो मैं उत्साह से भर जाता हूं और यही फीलिंग मुझे तब भी मिलती है, जब मैं किसी नई म्यूजिक से जुड़ता है। मुझे लगता है कि मैं दोनों में नयापन खोजता हूं, क्योंकि मौलिकता मुझे हमेशा आकर्षित करती है। उन्होंने कहा, मैं किस्मत वाला हूं कि मैं एक्टिंग कर सकता हूं और गा सकता हूं और लिख सकता हूं। मैं इस गिफ्ट के लिए आभारी हूं, जो मुझे मिला है। जब मैं स्क्रीन पर या म्यूजिक कॉन्सर्ट के दौरान लोगों का मनोरंजन करता हूं और लोग मेरे म्यूजिक पर थिरकते हैं, तब मैं वास्तव में जीवंत महसूस करता हूं। उन्होंने आगे कहा- मैं अपने करीबी फ्रेंड-कंपोजर और लॉन्ग टाइम क्रिएटिव कोलैबोरेट रोचक कोहली के साथ अगले महीने टी-सीरीज के साथ अपने नए गाने रतन कालियान को रिलीज करने की तैयारी कर रहा हूं। मुझे उम्मीद है कि लोगों को नया गाना पसंद आएगा। हम हमेशा म्यूजिकल हिट देने में कामयाब रहे हैं और मेरी कामना है कि यह भी चार्टबस्टर बने। शुक्र है, मुझे रतन कालियान के लिए दर्शकों से बहुत प्यार मिला है जिन्होंने इसे सुना है! मैं नए ट्रैक पर उनकी प्रतिक्रियाओं का इंतजार कर रहा हूं।

चैट रियलिटी शो बाय इनवाइट ओनली में नजर आएंगे करण कुंद्रा

एक्टर करण कुंद्रा कई सालों से इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं। उन्होंने अपना हाथ एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के हर पहलू जैसे टीवी, फिल्म और म्यूजिक वीडियोज में खुद को आजमाया है और वह ऐसा करने में एक सफल अभिनेता के रूप में स्थापित भी हुए हैं। भारतीय एंटरटेनमेंट की बात करें जहा टैलेंट और करिज्मा का मिश्रण एक स्टार को जन्म देता है वहां एक्टर करण कुंद्रा का नाम आना तो लाज़मी है। अपने लुक्स, एक्टिंग कौशल और फैशन चॉइस के साथ दर्शकों को विभिन्न प्लेटफॉर्म्स द्वारा अपनी ओर खूब आकर्षित किया है। एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के सितारे करण कुंद्रा और कुशा कपिला रेनिल अब्राहम के चैट रियलिटी शो बाय इनवाइट ओनली में बतौर गेस्ट बहुत जल्द अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। शो की शूटिंग और कुशा के साथ अपनी बातचीत को लेकर अपने अनुभव को साझा करते हुए करण कहते हैं, बाय इनवाइट ओनली का हिस्सा मैं काफी समय से बनना चाहता था और अब इसका भाग बनकर बहुत ज़्यादा खुश हूं।

राजस्थान में शुरू हुई

जॉन अब्राहम की फिल्म वेदा की शूटिंग

बॉलीवुड के हैंडसम हंक जॉन अब्राहम फिल्म मेकर निखिल आडवाणी की अपकमिंग फिल्म वेदा में नजर आने वाले हैं। अभिनेता आखरी बार शाहरुख खान की सुपरहिट फिल्म पठान में नजर आए थे। इस फिल्म में दर्शकों ने उनकी एक्टिंग की काफी तारीफ की थी। जॉन अब्राहम 2019 की एक्शन थ्रिलर बाटला हाउस के बाद फिर से निखिल आडवाणी के साथ काम कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ बंटी और बबली 2 की अभिनेत्री शारवरी वाघ भी नजर आने वाले हैं। जी स्टूडियो, एम्मी एंटरटेनमेंट और जेए एंटरटेनमेंट एक साथ मिलकर इस फिल्म का निर्माण कर रहे हैं। फिल्म वेदा में जॉन एक रेस्क्यूअर की भूमिका में नजर आने वाले हैं। फिल्म की शूटिंग राजस्थान में शुरू हो चुकी है। वहीं, कयासा लगाए जा रहे हैं कि जॉन और शारवरी स्टारर यह फिल्म अगले साल रिलीज होगी।